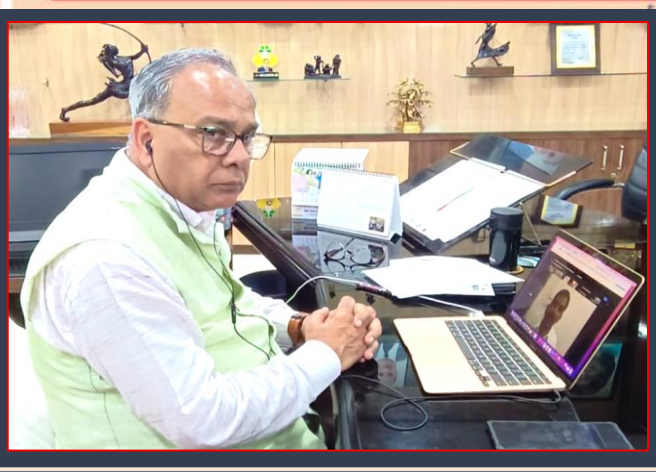

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवारदिनांक 02 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 21 जून 2025 तक योग की विभिन्न विधाओं में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज रहे । अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यका मजी ने की।

वाचिक स्वागत एवं अतिथियों का परिचय कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा और कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया। वेबीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

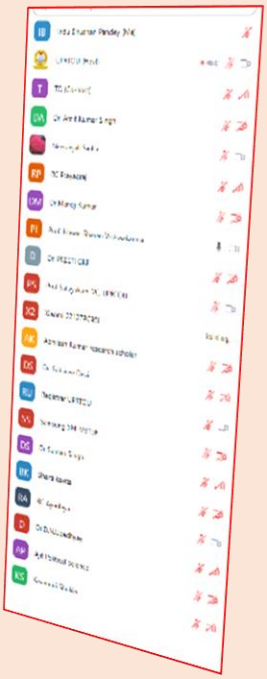

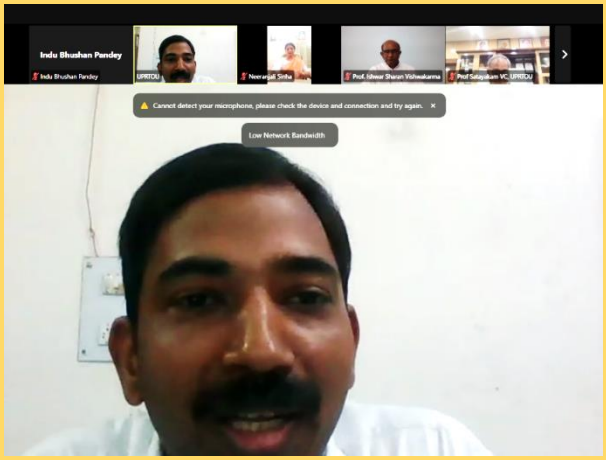

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 सुनील कुमार

वाचिक स्वागत एवं अतिथियों का परिचय देते हुए कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग– प्रोफेसर विश्वकर्मा

इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने कहा कि आज सारी दुनिया योग के महत्व को जानने लगी है। मन एवं शरीर के शुद्धिकरण से किया गया वह कार्य जो सामाजिक जीवन में प्रगति उत्पन्न करता है, वह योग है । यह हमारी ज्ञान परंपरा की विरासत है। उसकी सफलता है। ज्ञान के रूप में देखें तो योग एक महत्वपूर्ण अभिलेख प्रतिबिंबित होता है।

प्रोफेसर विश्वकर्मा ने कहा कि मानव जीवन के सर्वोत्तम जगहों पर योग उपस्थित है। उसका भाव हमें समझना होगा। प्राचीन ग्रन्थों के अभिलेख में योग का उल्लेख मिलता है। मुख्य वक्ता ने कहा कि प्राण त्यागने की क्षमता या प्रक्रिया योग के ही माध्यम से की जा सकती है। कई ऋषि मुनियों ने योग साधना के द्वारा अपने शरीर को त्याग दिया। कपिलवस्तु में योग की साधना शिक्षा कराई जाती है।

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते–प्रोफेसर सत्यकाम

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि योग ही जीवन में विद्या, ईश्वर, अध्यात्म, ज्ञान एवं कौशल है। योग को मनयोग से करने से पढ़ाई मे मन लगने लगता है । योग को मनयोग से करेंगे तो जरूर सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को योग अवश्य करना चाहिए। योग की भूमिका का जीवन में बड़ा महत्व है। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रतिदिन चल रहे योग कार्यक्रम को काफी लाभदायक बताया। कुलपति ने कहा योग एक मूल अवधारणा है। योग एक जीवन एवं साधन है। योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते। हमारी नई पीढ़ी योग से दूर होती जा रही है इसीलिए परिवार में योग न करने से विघटन पैदा हो रहा है। आज के बच्चे योग का महत्व नहीं समझते हैं इसीलिए पारिवारिक द्वेष और अलगाव हो रहा है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 02 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, श्रीमती सीमा सत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह

हर बात

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फतेहपुर, प्रयागराज एवं चित्रकूट से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 14 अंक : 133 फतेहपुर, मंगलवार, 3 जून, 2025, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग- प्रोफेसर विश्वकर्मा

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते-प्रोफेसर सत्यकाम

मुविवि में विरासत से विकास रू योग की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार

हरबात संवाददाता

समय से पहले 'समय' पर नज़र

न्यायाधीश

डाक रजिस्ट्रेशन नं.- ए.डी.34/2024-26

प्रयागराज मंगलवार 03 जून, 2025 संस्थापक-स्व0 डा0 रघुबीर चन्द जिन्दल पृष्ठ 12

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग- प्रोफेसर विश्वकर्मा

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते-प्रोफेसर सत्यकाम,मुविवि में विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 21 जून 2025 तक योग की विभिन्न विधाओं में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने कहा कि आज सारी दुनिया योग के महत्व को जानने लगी है। मन एवं शरीर के शुद्धिकरण से किया गया वह कार्य जो सामाजिक जीवन में प्रगति उत्पन्न करता है, वह योग है । यह हमारी ज्ञान परंपरा की विरासत है। उसकी सफलता है। ज्ञान के रूप में देखें तो योग एक महत्वपूर्ण अभिलेख प्रतिबिंबित होता है।प्रोफेसर विश्वकर्मा ने कहा कि मानव जीवन के सर्वोत्तम जगहों पर योग उपस्थित है। उसका भाव हमें समझना होगा। प्राचीन ग्रन्थों के अभिलेख में योग का उल्लेख मिलता है। मुख्य वक्ता ने कहा कि प्राण त्यागने की क्षमता या प्रक्रिया योग के ही माध्यम से की जा सकती है। कई ऋषि मुनियों ने योग साधना के द्वारा अपने शरीर को त्याग दिया। कपिलवस्तु में योग की साधना शिक्षा कराई जाती है।कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि योग ही जीवन में विद्या, ईश्वर, अध्यात्म, ज्ञान एवं कौशल है। योग को मनयोग से करने से पढ़ाई मे मन लगने लगता है । योग को मनयोग से करेंगे तो जरूर सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को योग अवश्य करना चाहिए। योग की भूमिका का जीवन में बड़ा महत्व है। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रतिदिन चल रहे योग कार्यक्रम को काफी लाभदायक बताया। कुलपति ने कहा योग एक मूल अवधारणा है। योग एक जीवन एवं साधन है। योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते। हमारी नई पीढ़ी योग से दूर होती जा रही है इसीलिए परिवार में योग न करने से विघटन पैदा हो रहा है। आज के बच्चे योग का महत्व नहीं समझते हैं इसीलिए पारिवारिक द्वेष और अलगाव हो रहा है।वाचिक स्वागत एवं अतिथियों का परिचय कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा और कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया। वेबीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

दैनिक सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 31 | अंक : 210
प्रयागराज | मंगलवार, 3 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग- प्रोफेसर विश्वकर्मा

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते-प्रोफेसर सत्यकाम

लोकमित्र ब्यूरो

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

यूनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग: प्रोफेसर विश्वकर्मा

यूनाइटेड भारत

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग- प्रोफेसर विश्वकर्मा

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते-प्रोफेसर सत्यकाम

सबसे तेज प्रयागराज

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

वर्ष-03 अंक-345 (हिंदी दैनिक) प्रयागराज मंगलवार 03 जून 2025 पृष्ठ 4 प्रातः कालीन मूल्य दो रुपए

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग– प्रोफेसर विश्वकर्मा

योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते–प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विरासत से विकास = योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 21 जून 2025 तक योग की विभिन्न विधाओं में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर एवं पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने कहा कि आज सारी दुनिया योग के महत्व को जानने लगी है। उन्होंने कहा कि मन एवं शरीर के शुद्धिकरण से किया गया वह कार्य जो सामाजिक जीवन में प्रगति उत्पन्न करता है, वह योग है । यह हमारी ज्ञान परंपरा की विरासत है। उसकी सफलता है। ज्ञान के रूप में देखें तो योग एक महत्वपूर्ण अभिलेख प्रतिबिंबित होता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के सर्वोत्तम जगहों पर योग उपस्थित है। उसका भाव हमें समझना होगा। प्राचीन ग्रन्थों के अभिलेख में योग का उल्लेख मिलता है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि योग ही जीवन में विद्या, ईश्वर, अध्यात्म, ज्ञान एवं कौशल है। योग को मनयोग से करने से पढ़ाई मे मन लगने लगता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रतिदिन चल रहे योग कार्यक्रम को काफी लाभदायक बताया। कुलपति ने कहा योग एक मूल अवधारणा है। योग एक जीवन एवं साधन है। योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते। हमारी नई पीढ़ी योग से दूर होती जा रही है इसीलिए परिवार में योग न करने से विघटन पैदा हो रहा है। आज के बच्चे योग का महत्व नहीं समझते हैं इसीलिए पारिवारिक द्वेष और अलगाव हो रहा है। वाचिक स्वागत एवं अतिथियों का परिचय कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा और कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया। वेबीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

● वर्ष : 18
● अंक : 120
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● मंगलवार, 03 जून 2025
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग: प्रो विश्वकर्मा

» योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते: प्रो सत्यकाम

» मुविवि में विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विरासत से विकास : योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। 21 जून तक योग की विभिन्न विधाओं में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार के मुख्य वक्ता पूर्व आचार्य, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो ईश्वरशरण विश्वकर्मा ने कहा कि आज सारी दुनिया योग के महत्व को जानने लगी है। मन एवं शरीर के शुद्धिकरण से किया गया वह कार्य जो सामाजिक जीवन में प्रगति उत्पन्न करता है, वह योग है । यह हमारी ज्ञान परंपरा की विरासत है। उसकी सफलता है। ज्ञान के रूप में देखें तो योग एक महत्वपूर्ण अभिलेख प्रतिबिंबित होता है। प्रोफेसर विश्वकर्मा ने कहा कि मानव जीवन के सर्वोत्तम जगहों पर योग उपस्थित है। उसका भाव हमें समझना होगा। प्राचीन ग्रन्थों के अभिलेख में योग का उल्लेख मिलता है। मुख्य वक्ता ने कहा कि प्राण त्यागने की क्षमता या प्रक्रिया योग के ही माध्यम से की जा सकती है। कई ऋषि मुनियों ने योग साधना के द्वारा अपने शरीर को त्याग दिया। कपिलवस्तु में योग की साधना शिक्षा कराई जाती है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि योग ही जीवन में विद्या, ईश्वर, अध्यात्म, ज्ञान एवं कौशल है। योग को मनयोग से करने से पढ़ाई मे मन लगने लगता है । योग को मनयोग से करेंगे तो जरूर सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को योग अवश्य करना चाहिए। योग की भूमिका का जीवन में बड़ा महत्व है। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रतिदिन चल रहे योग कार्यक्रम को काफी लाभदायक बताया। वाचिक स्वागत एवं अतिथियों का परिचय कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा और कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया। वेबीनार में विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

ज्ञान परम्परा की विरासत है योग : प्रो ईश्वर शरण विश्वकर्मा

-योग को हम जीवन से अलग नहीं कर सकते : प्रो सत्यकाम -मुविवि में विरासत से विकास : योग की

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/6/2/Development-from-Heritage-in-uprtou-National-Webin.php

09:20

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 03 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, श्रीमती सीमा सत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 04 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, श्रीमती सीमा सत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री निकेत सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री निकेत सिंह

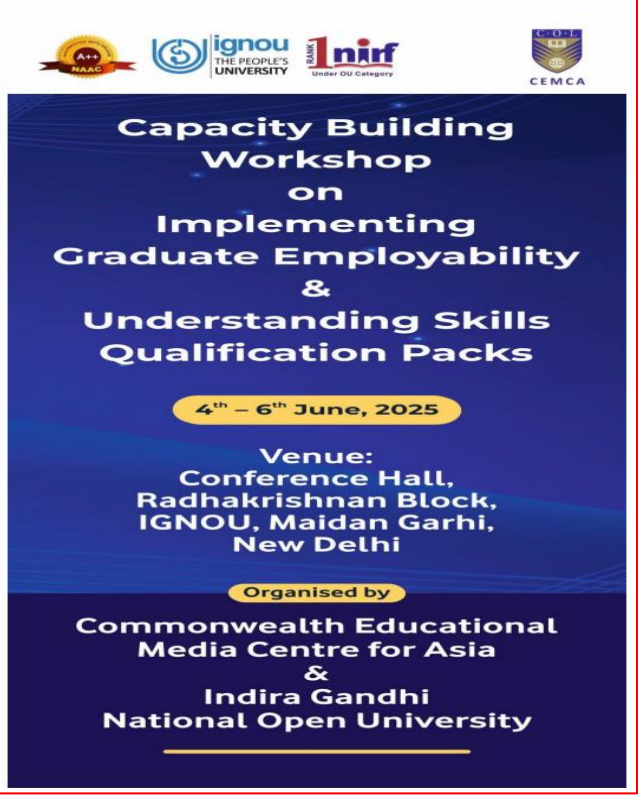

Time & Venue	Session Theme	Expert
Day 1: 4th June 2025		
10:00 AM – 11:00 AM **COE, IGNOU**	**Registration**	
11:00 AM – 11:45 AM **COE, IGNOU**	**Opening Session** Anchor: Dr Monika Mishra Rapporteur: Ms Poonam Bhushan, SOE	
11.00 AM- 11.10 AM	Welcome Address: Prof Uma Kanjilal, Vice- Chancellor, Indira Gandhi National Open University, New Delhi	
11.10 AM- 11.20 AM	Felicitation	
11.20 AM- 11.30 AM	About the Workshop: Dr B Shadrach, Director, Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi	
11.30 AM- 11.40 AM	Address by the Chief Guest: Shri Mrutyunjay Behera, IES, EA, MoE	
11.40 AM – 11.45 AM	Vote of Thanks: Prof Rajeev K Shukla	
Group Photo and Tea Break (11:45 am to 12:00 Noon)		
12:00 Noon 01:30 PM **COE, IGNOU**	Towards Skill Courses for improving Graduate Employability Review of progress made	Dr. Randhir Roopchund, Consultant, COL -CEMCA, Prof Nilesh Modi, Director, CIQA, Babasaheb Ambedkar Open University, Ahmedabad, Gujarat & Dr. Anirban Ghosh, Director, CIQA, Netaji Subhas Open University, Kolkata, West Bengal
	Rapporteur: Prof. Shubhangi Vaidya, SOITS	
Lunch Break (1:30 PM to 2:30 PM) Convention Centre Foyer		
02:30 PM – 04.00 PM	Effective Curriculum Design for Employability Open House	Dr. Randhir Roopchund, Consultant, COL-CEMCA
	Rapporteur: Ms Poonam Bhushan, SOE	
Tea Break (4:00 PM to 4:15 PM) COE		
Departure for Ambedkar International Centre, New Delhi		
06:00 PM -08:30 PM	Colloquium on Artificial Intelligence (AI) in Higher Educational Institutes.	Facilitated by COL-CEMCA
	Rapporteur: Prof Anita Priyadarshini, STRIDE	
	8:00 PM onwards: Networking Dinner **Ambedkar International Centre, New Delhi**	

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) ने कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) के सहयोग से आज नई दिल्ली स्थित IGNOU मुख्यालय में स्नातक रोजगार क्षमता पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में भारत भर के 17 मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपति और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसका साझा उद्देश्य व्यावसायिक एकीकरण और कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से स्नातकों की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

Anchor: Dr Monika Mishra

अपने उद्घाटन भाषण में इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने कार्यशाला के दृष्टिकोण का अवलोकन किया और अकादमिक कार्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे "शैक्षणिक कार्यक्रमों में व्यावसायिक घटकों को एकीकृत करने के तरीकों पर विचार–विमर्श करें ताकि उन्हें उद्योग के लिए तैयार किया जा सके और उभरते हुए नौकरी बाजार के लिए प्रासंगिक बनाया जा सके।"

Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU Felicitating Sh. Mrutyunjay Behera, IES, A MoE

Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU Felicitating Dr B Shadrach, Director, Commonwealth Educational Media Centre for Asia

Felicitation

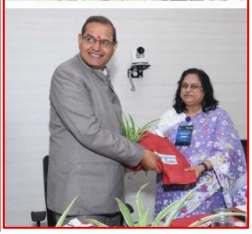

सत्र में बोलते हुए, सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बी. शद्रक ने भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण में मुक्त विश्वविद्यालयों की भूमिका पर जोर दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य एनसीवीईटी द्वारा विकसित व्यावसायिक योग्यता पैक पर कुलपतियों के दृष्टिकोण को समझना है। मुक्त विश्वविद्यालयों में बड़ी आबादी को प्रशिक्षित करने की क्षमता और क्षमता है। उन्होंने कहा पाठ्यक्रम वितरण से परे, ओयू को मजबूत कैरियर सेवा सहायता भी प्रदान करनी चाहिए। वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और अंतः विषय दृष्टिकोण के साथ एक नया पाठ्यक्रम ढांचा समय की मांग है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार (उच्च शिक्षा) श्री मृत्युंजय बेहरा ने सभा को संबोधित किया और वर्तमान आर्थिक और तकनीकी संदर्भ में आजीवन सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्आज के गतिशील परिदृश्य में पुनः कौशलीकरण महत्वपूर्ण है। जैसे–जैसे उद्योग विकसित होते हैं, वैसे–वैसे हमारी शिक्षा प्रणाली भी विकसित होनी चाहिए। जनसांख्यिकीय लाभांश को सही मायने में अर्जित करने के लिए, मुक्त विश्वविद्यालयों को युवाओं को कौशल और पुनः कौशल प्रदान करने की प्रमुख जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

कार्यशाला में योग्यता पैक विकसित करने, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (NSQF) के साथ पाठ्यक्रमों को संरेखित करने और कैरियर–उन्मुख और व्यावसायिक शिक्षा के लिए संस्थागत रणनीतियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अगले दो दिनों में विचार–विमर्श से उच्च शिक्षा को कार्यबल की जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

Vote of Thanks: Prof Rajeev K Shukla, SOMS

दूसरा सत्र (स्नातक रोजगार क्षमता में सुधार के लिए कौशल पाठ्यक्रमों की ओर)

Dr. Randhir Roopchund, Consultant, COL -CEMCA

Prof Nilesh Modi, Director, CIQA, Babasaheb Ambedkar Open University, Ahmedabad, Gujarat

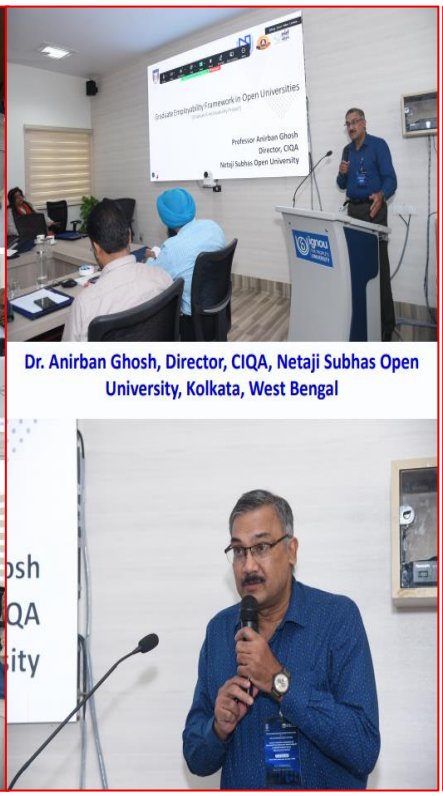

Dr. Anirban Ghosh, Director, CIQA, Netaji Subhas Open University, Kolkata, West Bengal

Prof. Ami Upadhyay, VC, Babasaheb Ambedkar Open University, Ahmedabad

रोजगारपरकता के लिए प्रभावी पाठ्यक्रम डिजाइन ओपन हाउस

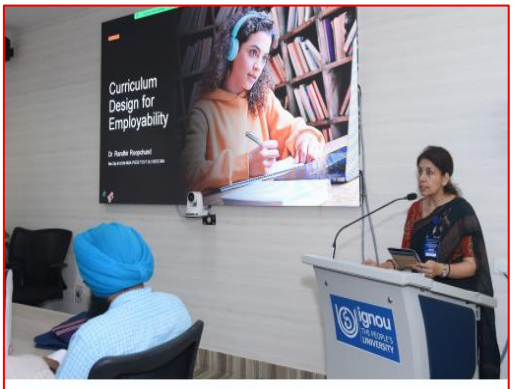

CEMCA
Colloquium on Artificial Intelligence in Higher Education Institutions
Date: 4 June 2025
Commonwealth Educational Media Centre for Asia
In Collaboration with
Embassy of Israel, New Delhi

C·O·L
CEMCA
Colloquium on Artificial Intelligence in
Higher Education Institutions
Date: 4 June 2025
Venue:
Dr. Ambedkar International Centre
15, Janpath, New Delhi

C·O·L
CEMCA
Colloquium on Artificial Intelligence in
Higher Education Institutions
Date: 4 June 2025
Venue:
Dr. Ambedkar International Centre
15, Janpath, New Delhi

3rd Session

04 जून, 2025

उच्च शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर संगोष्ठी
COL & CEMCA द्वारा संचालित

प्रोफेसर सत्यकाम :
कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रोफेसर सत्यकाम :
कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

Colloquium on Artificial Intelligence in Higher Education Institutions
Date: 4 June 2025

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

05 जून, 2025

दिन 2 : उद्योग–अकादमिक सहयोग पर पैनल चर्चा

Dr Nirav Mandir being Felicitated by Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU

Mr Ashish Singh being Felicitated by Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU

Felicitation

सुश्री जया अवस्थी :
प्रिंसिपल और प्रमुख – कौशल विकास और आजीविका
(भारतीय उद्योग परिसंघ)

प्रोफेसर सत्यकाम :
कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रोफेसर उमा कांजीलाल :
कुलपति, इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली

Enabling quality regulation through recognition of Awarding Bodies—NCVET

Col Gunjan Chowdhary, Director , NCVET
being Felicitated by Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU

Mr. Amit Sharma, NCVET
being Felicitated by Prof. Uma Kanjilal, VC IGNOU

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर सन्तोषा कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रो0 रुचि बाजपेयी, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने "प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ", "अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो" जैसे स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस–पास भी साफ–सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। उक्त कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह, विज्ञान विद्याशाखा तथा सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान विद्याशाखा रहे।

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई प्रो0 श्रुति तथा डॉ0 धर्मवीर सिंह

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को "केवल एक पृथ्वी" थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है।

इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए तथा सफाई करते हुए प्रो० सन्तोष कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री निकेत सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 05 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, श्रीमती सीमा सत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री निकेत सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 06 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अनुराग शुक्ला ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अनुराग शुक्ला

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अनुराग शुक्ला

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति जी के कार्यकाल का 1 वर्ष सफलतापूर्वक संपन्न होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल का एक वर्ष महत्वपूर्ण उपलब्धियां से भरा रहा। कुलपति जी के कार्यकाल का 1 वर्ष (दिनांक 07 जून, 2025) सफलतापूर्वक संपन्न होने पर विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि उन्हें विश्वविद्यालय परिवार का इसी तरह साथ मिलता रहा तो विश्वविद्यालय चतुर्दिक प्रगति की ओर अग्रसर रहेगा।

माननीय कुलपति
प्रोफेसर सत्यकाम जी
के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर
उन्हें
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए
विश्वविद्यालय परिवार
के
सदस्यगण

वित्त विभाग

कुलपति सचिवालय

माननीय कुलपति
प्रोफेसर सत्यकाम जी
के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर
उन्हें
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए
विश्वविद्यालय परिवार
के
सदस्यगण

कृषि विज्ञान विद्याशाखा

महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मानविकी विद्याशाखा

शिक्षा विद्याशाखा

समाज विज्ञान विद्याशाखा

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

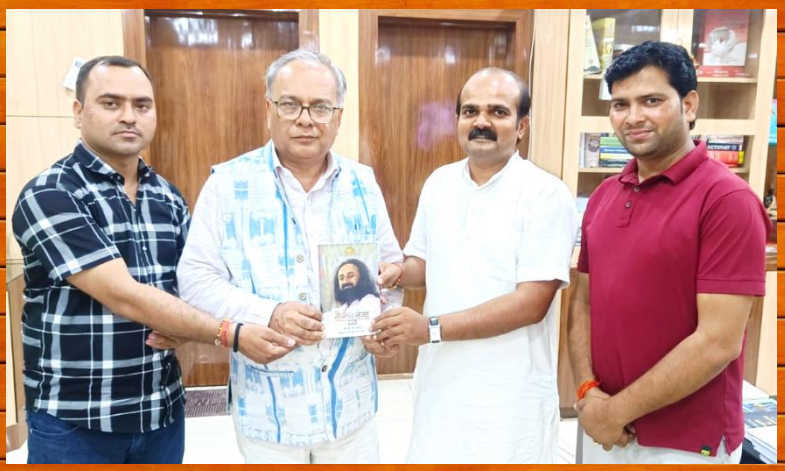

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

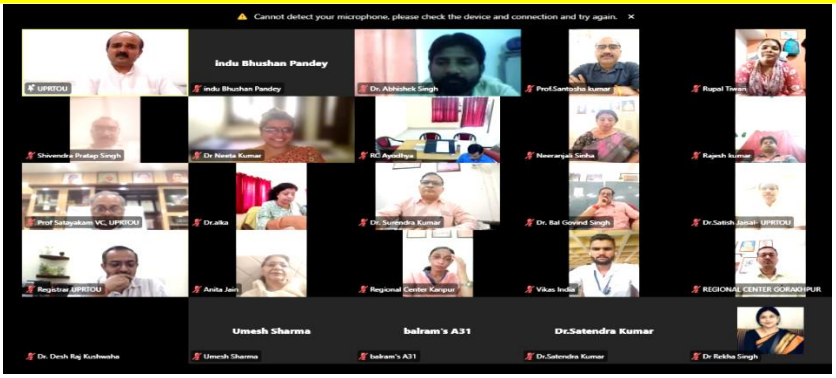

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में सोमवार दिनांक 09 जुन, 2025 को रोग निवारण में योग, वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में योग के माध्यम से रोग निवारण के वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 तक योग पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया जा रहा है। एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार मुख्य वक्ता वैज्ञानिक एफ, आईसीएमआर नई दिल्ली, डॉ. नीता कुमार जी रही तथा अध्यक्षता कुलपति आचार्य सत्यकाम जी ने की।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह ने योग कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने की अपील की।इस वेबीनार में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आचार्य सत्यकाम

डॉ. नीता कुमार

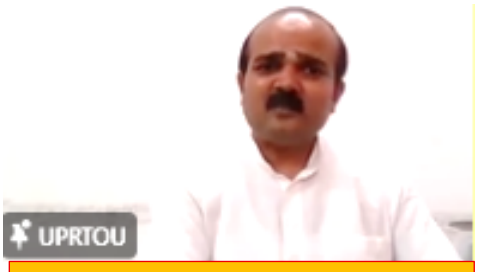

संचालन करते हुए
आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर एस कुमार

नियमित योगाभ्यास से जीवन में संतोष– डॉ नीता

मुख्य वक्ता डॉ. नीता कुमार, वैज्ञानिक एफ, आईसीएमआर नई दिल्ली ने अपने व्याख्यान में योग के माध्यम से रोगों के निवारण पर आधारित वैज्ञानिक शोधों और उनके निष्कर्षों को साझा किया। उन्होंने अष्टांग योग में यम के पांचों अंग , नियम के पांचों अंग, सहित सभी अंगों पर हुए योग पर शोध और निष्कर्षो पर वृहद चर्चा की। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से जीवन में संतोष, आशावादी विचार, जीवन में सकारात्मकता और आत्म विश्वास आदि का प्रभाव जीवन स्तर को उच्च बनाने मे सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि योग द्वारा आज की बेतरतीब जीवन पद्धति से उत्पन्न हुए गंभीर रोगों जैसे कैंसर, डाइबिटीज, उच्च व निम्न रक्तचाप को भी नियंत्रित किया जा सकता है। विभिन्न रोगों के उपचार में योग की प्रभावशीलता को लेकर किए गए शोधों के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक हैं।

रोग निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है योग– कुलपति

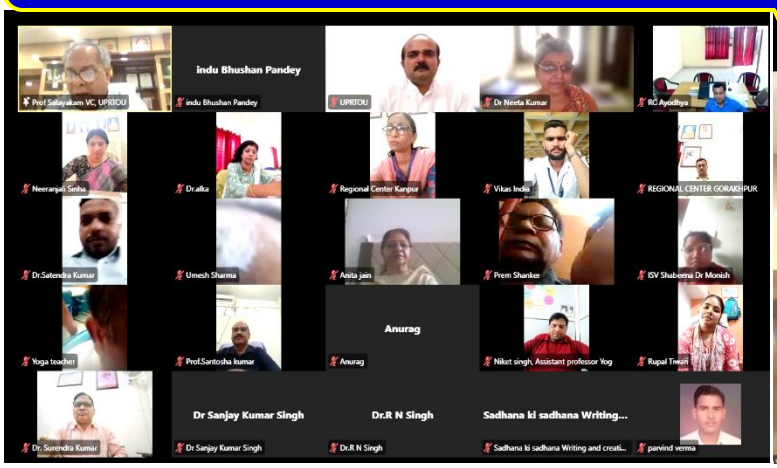

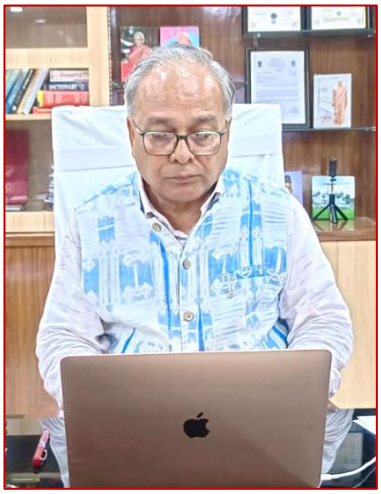

वेबीनार की अध्यक्षता कर रहे कुलपति आचार्य सत्यकाम ने योग को रोगों के निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखा जा सकता है।

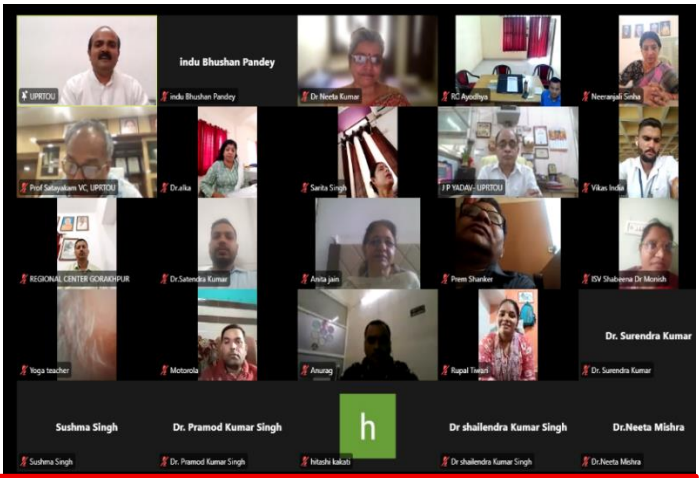

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 09 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (सांवि.) श्री अमित सिंह

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की। इस अवसर पर लोक कलाकार सचिन गोस्वामी एवं योग प्रशिक्षक श्री निकेत सिंह ने भक्तिपूर्ण भजन कराया।

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका– प्रोफेसर सत्यकाम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद एनसीवीईटी के सहयोग से कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने के लिए प्रयासरत है। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका रहेगी।

कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली (सेमका) तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में रोजगारोन्मुख कार्यक्रम विकसित करने के संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के त्रिदिवसीय सम्मेलन से वापस आने के बाद कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सोमवार दिनांक 09 जून, 2025 को यह जानकारी दी।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करेगा और कौशल विकास के अवॉर्डिंग और एसेसिंग निकाय के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कौशल विकास के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि त्रिदिवसीय सम्मेलन में रोजगारोन्मुख कार्यक्रम विकसित करने और विद्यार्थियों को रोजगार मिलने में किस तरह से मदद की जा सके, इस संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के मध्य व्यापक विचार विमर्श हुआ तथा कार्यशालाएं भी आयोजित की गयीं। इसमें भारत के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों से आए प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें विशेषज्ञों ने रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम विकसित करने के संबंध में वार्ता की और इसके उपाय सुझाए। इस सम्मेलन सह कार्यशाला में उद्योग जगत से भी कनफेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों ने उद्बोधन किया। सम्मेलन में उच्चशिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समीक्षा की गई और इसके सकारात्मक तथा नकारात्मक पहलुओं पर विस्तार से विमर्श किया गया। इस कार्यशाला में एनसीवीईटी से पंजीकरण कराने की भी चर्चा हुई ताकि प्रत्येक मुक्त विश्वविद्यालय कौशल पाठ्यक्रम हेतु उत्कृष्टता को बढ़ावा, नवाचार को प्रोत्साहित तथा समाज में सकारात्मक प्रभाव डालने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित कर सके। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करेगा और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता की पहचान और मूल्यांकन के साथ ही उनकी गुणवत्ता का आंकलन करेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कौशल विकास के क्षेत्र में सुधार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा कौशल विकास के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

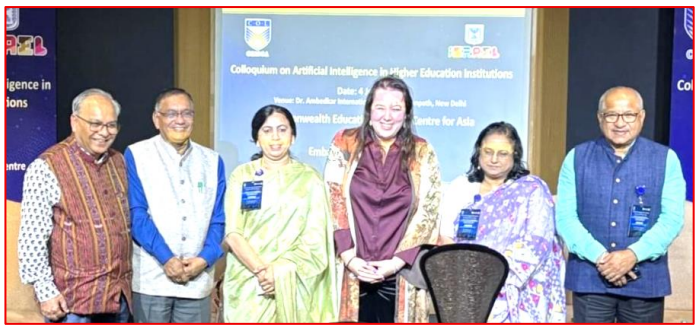

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

रोग निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है योग : कुलपति

नियमित योगाभ्यास से जीवन में संतोष : डॉ नीता

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका : प्रोफेसर सत्यकाम

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

हिन्दी दैनिक — खबर वही जो सच हो...

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिकाः प्रो सत्यकाम

राष्ट्रीय सहारा

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका : सत्यकाम

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद एनसीवीईटी के सहयोग से कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने के लिए प्रयासरत है। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका रहेगी।

कमानवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फार एशिया, नई दिल्ली (सेमका) तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में रोजगारोन्मुख कार्यक्रम विकसित करने के संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के त्रिदिवसीय सम्मेलन से वापस आने के बाद कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सोमवार को यह जानकारी दी। बताया कि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करेगा और कौशल विकास के अवर्डिंग और एसेसिंग निकाय के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कौशल विकास के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

■ यूपीआरटीयू के कुलपति ने दी जानकारी

उन्होंने बताया कि त्रिदिवसीय सम्मेलन में रोजगारोन्मुख कार्यक्रम विकसित करने और विद्यार्थियों को रोजगार मिलने में किस तरह से मदद की जा सके, इस संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के मध्य व्यापक विचार विमर्श हुआ तथा कार्यशालाएं भी आयोजित की गयीं। इसमें भारत के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों से आए प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें विशेषज्ञों ने रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम विकसित करने के संबंध में वार्ता की और इसके उपाय सुझाए।

दैनिक दर्शन पोस्ट

प्रयागराज | 10 जून, 2025 | मंगलवार

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मु-विवि की अग्रणी भूमिका : प्रोफेसर सत्यकाम

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

रोग निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है योग: कुलपति

▶ नियमित योगाभ्यास से गंभीर रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है: डॉ. नीता कुमार

▶ मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर राष्ट्रीय वेबीनार का हुआ आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार, 10 जून 2025

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका- प्रोफेसर सत्यकाम

दैनिक — सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 31 | अंक : 216
प्रयागराज | मंगलवार, 10 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

रोग निवारण का सशक्त माध्यम है योग- कुलपति

नियमित योगाभ्यास से जीवन में संतोष– डॉ नीता

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में सोमवार को रोग निवारण में योग, वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस वेबीनार में योग के माध्यम से रोग निवारण के वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 तक योग पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का श्रृंखलाबद्ध आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज आयोजित वेबीनार की अध्यक्षता कर रहे कुलपति आचार्य सत्यकाम ने योग को रोगों के निवारण एवं प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखा जा सकता है। मुख्य वक्ता डॉ. नीता कुमार, वैज्ञानिक एफ, आईसीएमआर नई दिल्ली ने अपने व्याख्यान में योग के माध्यम से रोगों के निवारण पर आधारित वैज्ञानिक शोधों और उनके निष्कर्षों को साझा किया। उन्होंने अष्टांग योग में यम के पांचों अंग, नियम के पांचों अंग, सहित सभी अंगों पर हुए योग पर शोध और निष्कर्षों पर वृहद चर्चा की। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से जीवन में संतोष, आशावादी विचार, जीवन में सकारात्मकता और आत्म विश्वास आदि का प्रभाव जीवन स्तर को उच्च बनाने मे सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि योग द्वारा आज की बेतरतीब जीवन पद्धति से उत्पन्न हुए गंभीर रोगों जैसे कैंसर, डाइबिटीज, उच्च व निम्न रक्तचाप को भी नियंत्रित किया जा सकता है। विभिन्न रोगों के उपचार में योग की प्रभावशीलता को लेकर किए गए शोधों के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक हैं।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। आयोजन सचिव अमित कुमार सिंह ने योग कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने की अपील की। इस वेबीनार में देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दैनिक — सच्चाई की जंग

लोकमित्र

वर्ष : 31 | अंक : 216
प्रयागराज | मंगलवार, 10 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका- प्रोफेसर सत्यकाम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद एनसीवीईटी के सहयोग से कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने के लिए प्रयासरत है। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मुविवि की अग्रणी भूमिका रहेगी। कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली (सेमका) तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में रोजगारोन्मुख कार्यक्रम विकसित करने के संदर्भ में मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के त्रिदिवसीय सम्मेलन से वापस आने के बाद कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की जनता को कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रम चलाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करेगा और कौशल विकास के अवॉर्डिंग और एसेसिंग निकाय के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कौशल विकास के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सम्मेलन सह कार्यशाला में उद्योग जगत से भी कनफेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधियों ने उद्बोधन किया।

उन्होंने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करेगा और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता की पहचान और मूल्यांकन के साथ ही उनकी गुणवत्ता का आंकलन करेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कौशल विकास के क्षेत्र में सुधार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा कौशल विकास के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जोश — अपने प्रदेश के कालेज

कला, विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन केंद्र हैं मुवि

एक लाख छात्रों की ओर बढ़ा मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

1998 में स्थापना | 12 | 86 | 80786 कुल छात्र संख्या | 09 स्कूल | 55 | 124 शैक्षणिक कार्यक्रम | 1474 अध्ययन केंद्र

नए शैक्षणिक कार्यक्रम

तकनीक से सशक्त शिक्षा प्रणाली

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शिक्षा

मुक्त विश्वविद्यालय में सुंदर कांड पाठ सह समरस्ता भोज आयोजन

आज दिनांक 10 जून, 2025 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित मंदिर में सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। तद्उपरान्त सामाजिक सरोकार के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने आयोजित समरस्ता भोज में सामुहिक सहभागिता की, कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी सपत्नीक विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ समरस्ता भोज किया।

समरस्ता भोज

मुविवि में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

एक वर्ष पूर्ण होने पर हुआ कुलपति का अभिनंदन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दिनांक 10 जून, 2025 को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर शिक्षकों ने कहा कि विश्वविद्यालय को हमेशा आगे बढ़ाने में यहां के विद्वान कुलपतियों का विशेष योगदान रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के विद्वान प्रोफेसर सत्यकाम के नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय ने विगत एक वर्ष में महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। जिनमें स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री लेखन तथा यूजीसी द्वारा 12 बी की मान्यता मिलना प्रमुख है। निश्चय ही उनके नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा संस्थानों के लिए नए मानक स्थापित करेगा।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के सम्मान में शिक्षकों ने उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया। समारोह का संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी तथा संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रोफेसर एस कुमार ने प्रस्तुत की। अभिनंदन पत्र का वाचन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर जे पी यादव आदि उपस्थित रहे।

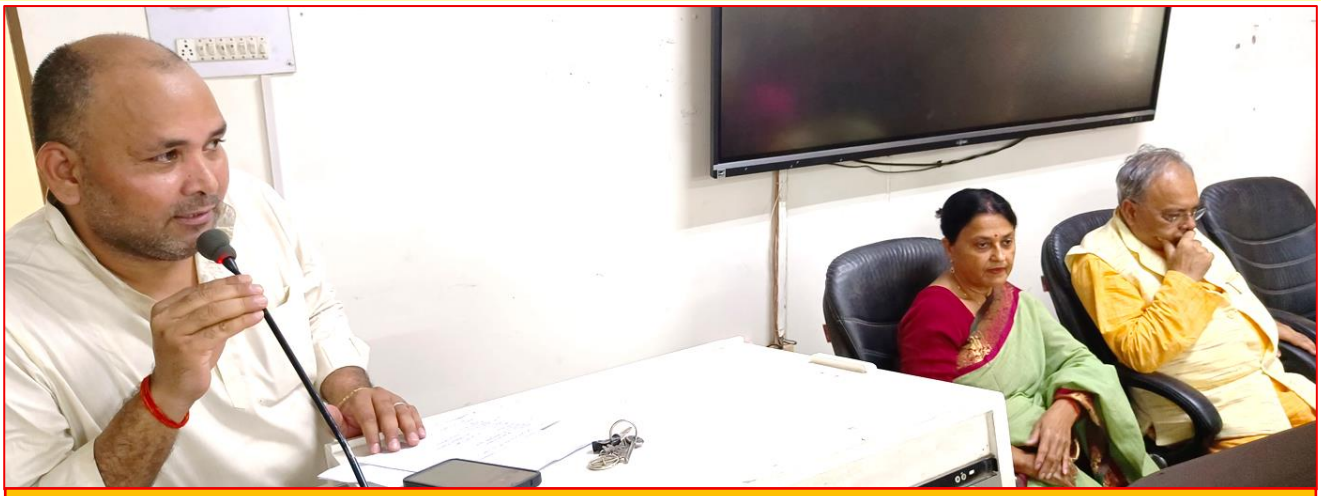

संचालन करते हुए डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, एवं तुलसी का पौधा भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

संगोष्ठी की विषयवस्तु प्रस्तुत करते हुए प्रोफेसर एस कुमार

अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए डॉ त्रिविक्रम तिवारी

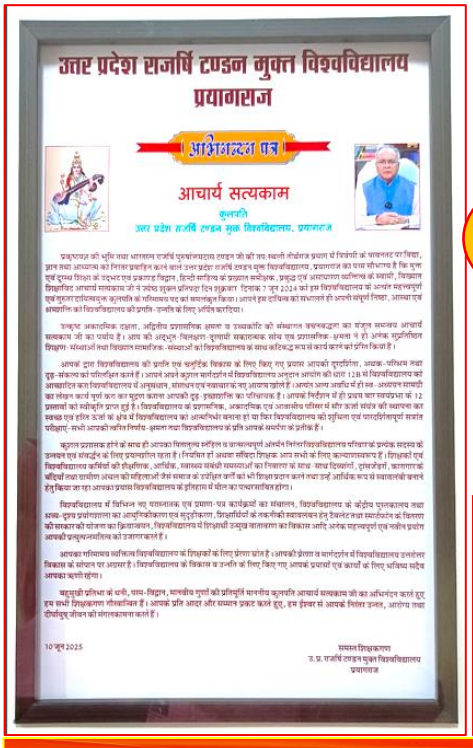

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

अभिनन्दन पत्र

आचार्य सत्यकाम
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रकृष्टयज्ञ की भूमि तथा भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन जी की तपःस्थली तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेणी के पावनतट पर विद्या, ज्ञान तथा अध्यात्म को निरंतर प्रवाहित करने वाले उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का परम सौभाग्य है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के उद्भट एवं प्रकाण्ड विद्वान, हिन्दी साहित्य के प्रख्यात समीक्षक, प्रबुद्ध एवं असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी, विख्यात शिक्षाविद आचार्य सत्यकाम जी ने ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा दिन शुक्रवार दिनांक 7 जून 2024 को इस विश्वविद्यालय के अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं गुरुतर दायित्वयुक्त कुलपति के गरिमामय पद को समलंकृत किया। आपने इस दायित्व को संभालते ही अपनी संपूर्ण निष्ठा, आस्था एवं श्रमशक्ति को विश्वविद्यालय की प्रगति-उन्नति के लिए अर्पित कर दिया।

उत्कृष्ट अकादमिक दक्षता, अद्वितीय प्रशासनिक क्षमता व उच्चकोटि की संस्थागत वचनबद्धता का मंजुल समन्वय आचार्य सत्यकाम जी का पर्याय है। आप की अद्भुत-विलक्षण-दूरगामी सकारात्मक सोच एवं प्रशासनिक-क्षमता ने ही अनेक सुप्रतिष्ठित शिक्षण-संस्थाओं तथा विख्यात सामाजिक-संस्थाओं को विश्वविद्यालय के साथ कटिबद्ध रूप से कार्य करने को प्रेरित किया है।

आपके द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति एवं चतुर्दिक विकास के लिए किए गए प्रयास आपकी दूरदर्शिता, अथक-परिश्रम तथा दृढ़-संकल्प को परिलक्षित करते हैं। आपने अपने कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 12B से विश्वविद्यालय को आच्छादित करा विश्वविद्यालय में अनुसंधान, संसाधन एवं नवाचार के नए आयाम खोले हैं। अत्यंत अल्प अवधि में ही स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन कार्य पूर्ण करा कर मुद्रण कराना आपकी दृढ़-इच्छाशक्ति का परिचायक है। आपके निर्देशन में ही प्रथम बार स्वयंप्रभा के 12 प्रस्तावों को स्वीकृति प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, अकादमिक एवं आवासीय परिसर में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना कर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर बनाना हो या फिर विश्वविद्यालय की शुचिता एवं पारदर्शितापूर्ण सत्रांत परीक्षाएं-सभी आपकी त्वरित निर्णय-क्षमता तथा विश्वविद्यालय के प्रति आपके समर्पण के प्रतीक हैं।

कुशल प्रशासक होने के साथ ही आपका पितातुल्य स्नेहिल व वात्सल्यपूर्ण अंतर्मन निरंतर विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के उन्नयन एवं संवर्द्धन के लिए प्रयत्नशील रहता है। नियमित हों अथवा संविदा शिक्षक आप सभी के लिए कल्याणस्वरूप हैं। शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय कर्मियों की शैक्षणिक, आर्थिक, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निवारण के साथ-साथ दिव्यांगों, ट्रांसजेंडरों, कारागार के बंदियों तथा ग्रामीण अंचल की महिलाओं जैसे समाज के उपेक्षित वर्गों को भी शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने हेतु किया जा रहा आपका प्रयास विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

विश्वविद्यालय में विभिन्न नए परास्नातक एवं प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों का संचालन, विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय तथा श्रव्य-दृश्य प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, शिक्षार्थियों के तकनीकी स्वावलंबन हेतु टैबलेट तथा स्मार्टफोन के वितरण की सरकार की योजना का क्रियान्वयन, विश्वविद्यालय में शिक्षार्थी उन्मुख वातावरण का विकास आदि अनेक महत्त्वपूर्ण एवं नवीन प्रयोग आपकी प्रत्युत्पन्नमतित्व को उजागर करते हैं।

आपका गरिमामय व्यक्तित्व विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत है। आपकी प्रेरणा व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर विकास के सोपान पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय के विकास व उन्नति के लिए किए गए आपके प्रयासों एवं कार्यों के लिए भविष्य सदैव आपका ऋणी रहेगा।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, परम-विद्वान, मानवीय गुणों की प्रतिमूर्ति माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी का अभिनंदन करते हुए हम सभी शिक्षकगण गौरवान्वित हैं। आपके प्रति आदर और सम्मान प्रकट करते हुए, हम ईश्वर से आपके निरंतर उन्नत, आरोग्य तथा दीर्घायुष्य जीवन की मंगलकामना करते हैं।

10 जून 2025

समस्त शिक्षकगण
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के सम्मान में अभिनंदन पत्र भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

मुक्त विश्वविद्यालय दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा– प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के आयाम निरंतर व्यापक होते जा रहे हैं। वैश्वीकरण के दौर में जब अर्थव्यवस्था निर्धारक भूमिका निभा रही है, ऐसे में व्यक्ति के समक्ष अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ शिक्षा में प्रगति करना एक चुनौती बनता जा रहा है। इस परिस्थिति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व्यक्ति को उसके शैक्षिक उन्नति का अवसर प्रदान करती है। कुलपति ने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा विभिन्न पद्धतियों का एक मिला–जुला रूप है। इसमें वर्तमान समय में ऑडियो विजुअल प्रणाली प्रमुखता से उभर कर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ऑडियो विजुअल पद्धति के प्रयोग के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा ज्ञान के वैश्विक प्रसार की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय अब दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों को स्वयंप्रभा चौनल के लिए कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों से विश्वविद्यालय की ख्याति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होगी।

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के कार्यकाल के एक वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

मुक्त विश्वविद्यालय में योग का अभ्यास कराया गया

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 10 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग गेम तथा योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की। इस अवसर पर लोक कलाकार सचिन गोस्वामी एवं योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह ने भक्तिपूर्ण भजन कराया।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

प्रयागराज
बुधवार
11 जून 2025
06

कैंपस 30 S

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में गोष्ठी में मौजूद कुलपति प्रो. सत्यकाम और शिक्षक।

वैश्विक प्रसार को अग्रसर है मुविवि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संभावनाएं व चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के आयाम निरंतर व्यापक होते जा रहे हैं। ऑडियो विजुअल पद्धति के प्रयोग से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा ज्ञान के वैश्विक प्रसार की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, प्रो. एस कुमार, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीके स्टालिन, प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. श्रुति, प्रो. जेपी यादव आदि मौजूद रहे।

Prayagraj मुक्त विश्वविद्यालय दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा- प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में

streetbuzz.co.in

मुक्त विश्वविद्यालय दृश्य श्रव्य माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहा- प्रोफेसर सत्यकाम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:570197

22:58

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार अभ्यास कराया गया

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री निकेत सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 11 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री निकेत सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग गेम तथा योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की। इस अवसर पर लोक कलाकार सचिन गोस्वामी एवं योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह ने भक्तिपूर्ण भजन कराया।

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार अभ्यास कराया गया

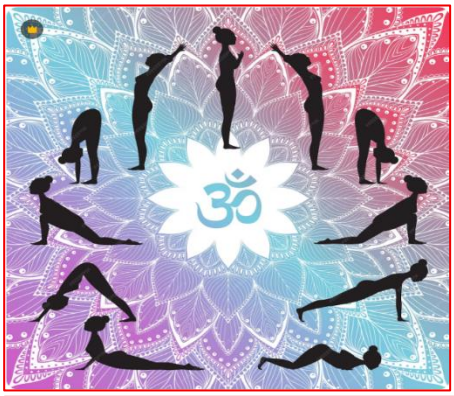

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री निकेत सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 12 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

आज योगाभ्यास के पूर्व अहमदाबाद में प्लेन क्रैश हादसे में शिकार हुए लोगों के प्रति ओम शांति का पाठ करते हुए विश्वविद्यालय परिवार ने संवेदना व्यक्त की गई।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री निकेत सिंह

आज के योग कार्यक्रम में योग गेम तथा योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की। इस अवसर पर लोक कलाकार सचिन गोस्वामी एवं योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह ने भक्तिपूर्ण भजन कराया।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (सांवि.) श्री निकेत सिंह

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2025 की परीक्षाएं प्रदेश के 169 केंद्रों पर 31 मई 2025 से प्रारंभ हो गयी हैं। दिनांक 13 जून, 2025 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान माननीय कुलपति जी परीक्षार्थियों से रुबरु हुए। इस भीषण गर्मी में प्रदेश में किसी भी केंद्र पर किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए शीतल जल एवं हवादार कमरों की व्यवस्था करने के लिए केन्द्राध्यक्ष को निर्देश दिये। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। पूरे प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षक दल का गठन किया गया है।

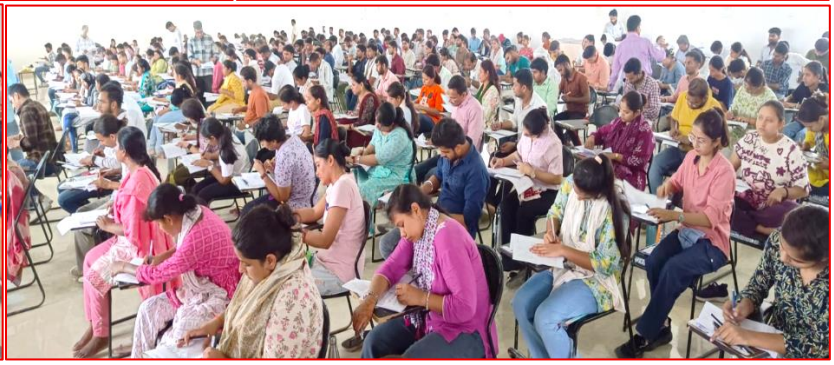

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार अभ्यास कराया गया

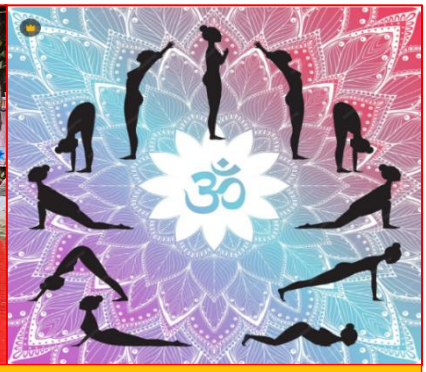

योगाभ्यास कराते हुए सहायक आचार्य (सांवि.) श्री अनुराग शुक्ला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 13 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अनुराग शुक्ला ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षक अनुराग शुक्ला ने कराया।

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

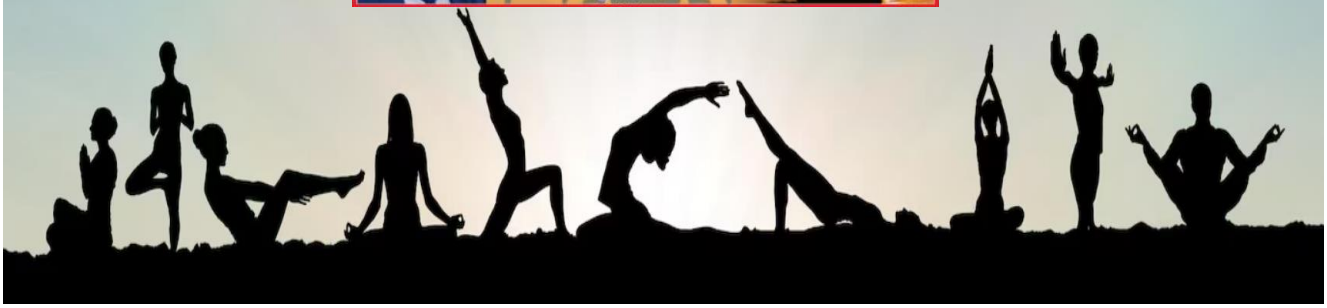

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अनुराग शुक्ला

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

कई परीक्षा केंद्रों का उड़ाका दल ने किया निरीक्षण, मिली गड़बड़ी, भेजी रिपोर्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उड़ाका दल ने देवरिया एवं संतकबीरनगर में परीक्षा केन्द्रों पर भारी अव्यवस्था देखी एवं शासनादेश और परीक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने बताया कि उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन परीक्षा केन्द्रों सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटनी देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी देवरिया तथा विन्दा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहां, संतकबीरनगर पर 14 जून को द्वितीय पाली की सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने बताया कि परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनसंदेश टाइम्स

मुक्त विविः कुलपति ने तीन केन्द्रों पर परीक्षाएं निरस्त

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें देवरिया एवं संतकबीरनगर के परीक्षा केन्द्रों पर भारी अव्यवस्था देखी एवं शासनादेश और परीक्षा सम्बंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन परीक्षा केन्द्रों सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भटनी, देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी, देवरिया तथा विन्दा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहां, संतकबीरनगर पर 14 जून को द्वितीय पाली की सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को चेतावनी दी कि यदि परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की विसंगति पायी गई तो परीक्षा केंद्र अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक कर्नल विनय कुमार ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर पूरे प्रदेश में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के औचक निरीक्षण से नकलचियों के हौसले पस्त हैं।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी विक्रम संवत 2082
अमृत विचार
वर्ष 35, अंक 139, पृष्ठ -14+4, मूल्य: 6 रुपये
एक सम्पूर्ण अख़बार

तीन केंद्रों पर द्वितीय पाली की परीक्षाएं निरस्त

प्रयागराज, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उड़ाका दल ने देवरिया एवं संत कबीरनगर में परीक्षा केंद्रों पर भारी अव्यवस्था देखी। शासनादेश और परीक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दी। विवि के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन परीक्षा केंद्र सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटनी देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय भटनी देवरिया और विन्दा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय सिक्टहां संत कबीरनगर की शनिवार को होने वाली द्वितीय पाली की परीक्षा निरस्त कर दी गई। इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

सहजसत्ता

मुक्त विविः कुलपति ने तीन केन्द्रों पर शनिवार की परीक्षाएं निरस्त की

➔पूर्वांचल में उड़ाका दल को मिली भारी अव्यवस्था

प्रयागराज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें देवरिया एवं संतकबीरनगर के परीक्षा केन्द्रों पर भारी अव्यवस्था देखी एवं शासनादेश और परीक्षा सम्बंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन परीक्षा केन्द्रों सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भटनी, देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी, देवरिया तथा विन्दा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहां, संतकबीरनगर पर 14 जून को द्वितीय पाली की सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को चेतावनी दी कि यदि परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की विसंगति पायी गई तो परीक्षा केंद्र अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक कर्नल विनय कुमार ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर पूरे प्रदेश में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के औचक निरीक्षण से नकलचियों के हौसले पस्त हैं।

तीन केंद्रों पर द्वितीय पाली की परीक्षाएं निरस्त
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। देवरिया और संत कबीरनगर में अव्यवस्था पाई गई। कुलपति ने तीन परीक्षा केंद्रों की परीक्षा निरस्त कर दी। नई...,
www.livehindustan.com

तीन केंद्रों पर द्वितीय पाली की परीक्षाएं निरस्त

और पढ़ें:

https://www.livehindustan.com/uttar-pradesh/prayagraj/story-uprtou-vigilance-team-inspects-exam-centers-cancels-exams-due-to-irregularities-201749908957873.html
सबसे तेज और सटीक खबरों के लिए डाउनलोड करें हिन्दुस्तान ऐप
https://hhiphonehindiapp.page.link/AppDownload
21:41

Dr Prabhat Mishra

मुक्त विवि : कुलपति ने तीन केन्द्रों पर शनिवार की परीक्षाएं निरस्त की
--पूर्वांचल में उड़ाका दल को मिली भारी अव्यवस्थाप्रयागराज, 14 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के
vocaltv.in

https://vocaltv.in/uttar-pradesh/saturday-exams-canceled-at-three-centers-uprtouphp/cid16897590.htm
21:42

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि : कुलपति ने तीन केन्द्रों पर शनिवार की परीक्षाएँ निरस्त की

पूर्वांचल में उड़ाका दल को मिली भारी अव्यवस्था

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें देवरिया एवं संतकबीरनगर के परीक्षा केन्द्रों पर भारी अव्यवस्था देखी एवं शासनादेश और परीक्षा सम्बंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन परीक्षा केन्द्रों सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भटनी, देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी, देवरिया तथा विन्दा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहां, संतकबीरनगर पर 14 जून को द्वितीय पाली की सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को चेतावनी दी कि यदि परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की विसंगति पायी गई तो परीक्षा केंद्र अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। परीक्षा नियंत्रक कर्नल विनय कुमार ने बताया कि कुलपति के निर्देश पर पूरे प्रदेश में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दल के औचक निरीक्षण से नकलचियों के हौसले पस्त हैं।

SUNDAY 15.06.2025 उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
प्रयागराज

मुक्त विवि के तीन केंद्रों की परीक्षाएं निरस्त

देवरिया के दो और संत कबीर नगर के एक केंद्र में मिली अव्यवस्था

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जून-2025 की 14 जून को हुई परीक्षा में अव्यवस्था मिलने पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने तीन केंद्रों की द्वितीय पाली में हुई परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दीं। इनमें देवरिया के दो व संत कबीरनगर के दो परीक्षा केंद्र शामिल हैं। यह कार्रवाई उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

मुक्त विवि की परीक्षाएं 31 मई से प्रयागराज के 169 केंद्रों में शुरू हुई थीं। परीक्षा के लिए प्रदेश भर से 72 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षाएं 25 जून तक होनी हैं। विवि के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

उड़ाका दल ने देवरिया एवं संत कबीर नगर में तीन परीक्षा केंद्रों में भारी अव्यवस्था देखी और शासनादेश व परीक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विवि प्रशासन को दी। इन केंद्रों में नकल और सिटिंग प्लान में गड़बड़ी आदि की शिकायत मिली।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया, उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन केंद्रों में 14 जून को द्वितीय पाली में हुई सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इनमें सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटनी, देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी, देवरिया और विंदा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहा, संत कबीर नगर शामिल हैं।

इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। उन्होंने परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को चेतावनी दी कि यदि परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की विसंगति मिलती तो उसे अमान्य घोषित कर दिया जाएगा। ब्यूरो

SUNDAY 15.06.2025 उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
गोरखपुर

मुक्त विवि के तीन केंद्रों की परीक्षाएं निरस्त

देवरिया के दो और संतकबीरनगर के एक केंद्र में मिली अव्यवस्था

अमर उजाला ब्यूरो

उड़ाका दल की शिकायत पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने की कार्रवाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जून-2025 की 14 जून को हुई परीक्षा में अव्यवस्था मिलने पर कुलपति प्रो. सत्यकाम ने तीन केंद्रों की द्वितीय पाली में हुई परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दीं। इनमें देवरिया के दो व संत कबीरनगर के एक परीक्षा केंद्र शामिल हैं। यह कार्रवाई उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

मुक्त विवि की परीक्षाएं 31 मई से प्रयागराज के 169 केंद्रों में शुरू हुई थीं। परीक्षा के लिए प्रदेश भर से 72 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षाएं 25 जून तक होनी हैं। विवि के उड़ाका दल ने शनिवार को पूर्वांचल के कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

उड़ाका दल ने देवरिया एवं संत कबीर नगर में तीन परीक्षा केंद्रों में भारी अव्यवस्था देखी और शासनादेश व परीक्षा संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना विवि प्रशासन को दी। इन केंद्रों में नकल और सिटिंग प्लान में गड़बड़ी आदि की शिकायत मिली।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया, उड़ाका दल की रिपोर्ट के आधार पर तीन केंद्रों में 14 जून को द्वितीय पाली में हुई सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं। इनमें सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटनी, देवरिया, बहादुर यादव मेमोरियल महाविद्यालय, भटनी, देवरिया और विंदा पाल उग्रसेन पाल महाविद्यालय, सिक्टहा, संत कबीर नगर शामिल हैं।

इन परीक्षाओं की नई तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। परीक्षाओं की शुचिता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने परीक्षा केंद्र अधीक्षकों को चेतावनी दी कि यदि परीक्षा केंद्र पर किसी भी तरह की विसंगति मिलती तो उसे अमान्य घोषित कर दिया जाएगा।

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार अभ्यास कराया गया

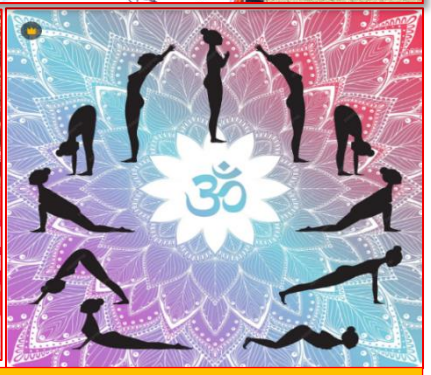

योगाभ्यास कराते हुए सहायक आचार्य (सांवि.) श्री अमित सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 16 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पदम आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने कराया।

आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में सूर्य नमस्कार अभ्यास

योगाभ्यास कराते हुए सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं। इसी कम में दिनांक 17 जून, 2025 को गंगा परिसर में योग का आयोजन किया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए।

लोगों ने विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को योग के विज्ञान पर परिचर्चा के साथ सुक्ष्म व्यायाम, योग मुद्रायें, ओमकार प्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन, पद्म आसन, सूर्य नमस्कार एवं हास्य व्यायाम का अभ्यास योग प्रशिक्षक अमित सिंह ने कराया। आज के योग कार्यक्रम में योग के कई अभ्यास करायें गये। साथ ही साथ राम ध्यान का अभ्यास कराया गया। राम इस देश के चेतना और आत्मा है, जो अभ्यास कर रहे हैं उन लोगों ने अपार शांति महसूस की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में "सामूहिक सूर्य नमस्कार : ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभव"

माननीया कुलाधिपति श्री आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा से एवं मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियायें संचालित की जा रहीं है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, की मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 18 जून 2025 को अपराह्न 4:00 बजे से 5:00 तक "सामूहिक सूर्य नमस्कार : ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभव" विषयान्तर्गत योग कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में किया गया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हरित योग एवं योग के विभिन्न मुद्राओं पर योगाभ्यास किया गया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है सूर्य नमस्कार – प्रोफेसर सत्यकाम

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ्य बनाता है अपितु हमारे मस्तिष्क को भी एकाग्र कर नई ऊर्जा से भर देता है। योग वस्तुतः शरीर और मन को एक करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयं के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि योग करने से उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है। और वह अब और भी दक्षता तथा एकाग्रता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम हुए है साथ ही योग विभिन्न विचारधाराओं के विभिन्न व्यक्तियों को साथ लाने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को आह्वाहन करते हुए कहा कि सभी को प्रतिदिन अपने दैनिक व्यस्तताओं में से कुछ समय योग हेतु अवश्य निकालना चाहिए इससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगें। और अपने कार्यों का और भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से सम्पादित करने में सहायता मिलेगी।

मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने योग पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग विश्व को भारत की अनुपम देन है। आज विश्व के 180 से अधिक देशों द्वारा योग को अपनाया गया है। योग का अनुसरण करके इन देशों ने भारतीय संस्कृति और उसकी चिन्तन परम्परा में विश्वास व्यक्त किया जो देश के लिए गौरव का विषय है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग मनुष्य के मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक वृत्तियों को परस्पर जोड़ता है। जिससे मनुष्य उच्च आध्यात्मिक भाव को ग्रहण करते हुए मानसिक शांति और निरोग जीवन प्राप्त करता है। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह ने लोगों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए योग प्रतिदिन करना चाहिए। योग शिक्षक निकेत सिंह एवं अनुराग शुक्ला ने योग के विभिन्न मुद्राओं का लोगों को अभ्यास कराया। इस योग कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, आचार्यगण, कर्मचारीगण एवं शोध छात्रों ने प्रतिभाग किया।

हरित योग

योग मैराथन को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिखाई हरी झंडी

हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

मुविवि ने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बढ़ाये कदम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार दिनांक 19 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर योग मैराथन : स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने गंगा परिसर से योग मैराथन में प्रतिभाग कर रहे विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन विभिन्न मार्गों से होते हुए विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में समाप्त हुई।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि योग मैराथन का उद्देश्य लोगों को योग के लाभों के बारे में जागरूक करना, समुदाय की भावना को बढ़ावा देना और लोगों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना है। विश्वविद्यालय अपनी इस मुहिम में अत्यंत सफल हुआ है। यहां रोजाना योग विशेषज्ञ योगाभ्यास की विभिन्न मुद्राओं को संचालित कर रहे हैं। जिसका लाभ सभी को मिल रहा है । उन्होंने कहा कि योग मैराथन में भाग लेने से लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलती है। योग मैराथन के दौरान सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान का भी अभ्यास किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। माननीय कुलपति का स्वागत विज्ञान विद्या शाखा के प्रोफेसर जय प्रकाश यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक डॉ अमरेंद्र कुमार यादव ने किया।

मैराथन दौड़ में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मैराथन दौड़ में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

दिनाँक 19 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्वाधान में **"Yoga: Inclusion of Knowledge and Experience"** विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। प्रो0 स्टालिन ने अतिथि परिचय और स्वागत के क्रम में डॉ. भदन्त राहुल बोधि, योग विशेषज्ञ, सर्वोदय महाबुद्व विहार, मुम्बई, प्रोफेसर एलेना हासकोवा, शिक्षा संकाय, कान्स्टन्टाइन द फिलासफर विश्वविद्यालय, स्लोवाकिया, श्री सुरेश चन्द्र शुक्ला अध्यक्ष, भारतीय नार्वेजियन सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम ओसलो नार्वे, प्रोफेसर लाल बिहारी हिन्दी विभाग, एम.जी. आई., मारीशस विश्वविद्यालय, मारीशस, डॉ0 मनोज कुमार सिंह योगा विशेषक, गोचर महाविद्यालय, सहारनपुर, प्रोफेसर विजय जयसवाल शिक्षा संकाय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, प्रोफेसर पी0 के0 साहू पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं प्रोफेसर सत्यकाम माननीय कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के साथ–साथ आभाषी एवं फेस टू फेस मोड़ में सभागार में उपस्थित सभी निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य एवं विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण का स्वागत किया।

तद्उपरान्त वेबीनार सचिव प्रोफेसर मीरा पाल प्रभारी निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

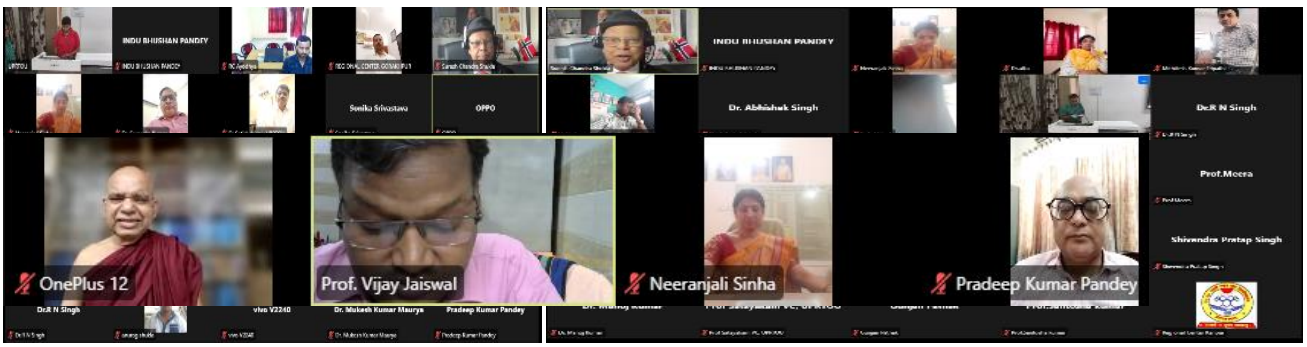

संचालन करते हुए
प्रो0 छत्रसाल सिंह

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

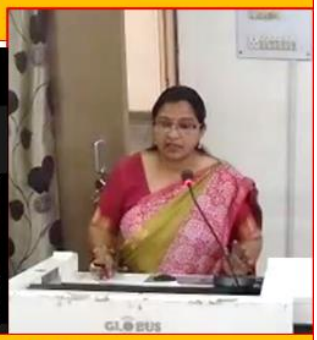

विषय प्रवर्तन करती हुई प्रो0 मीरा पाल

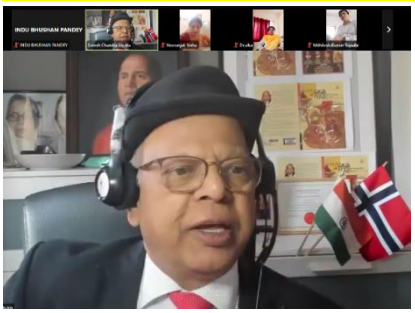

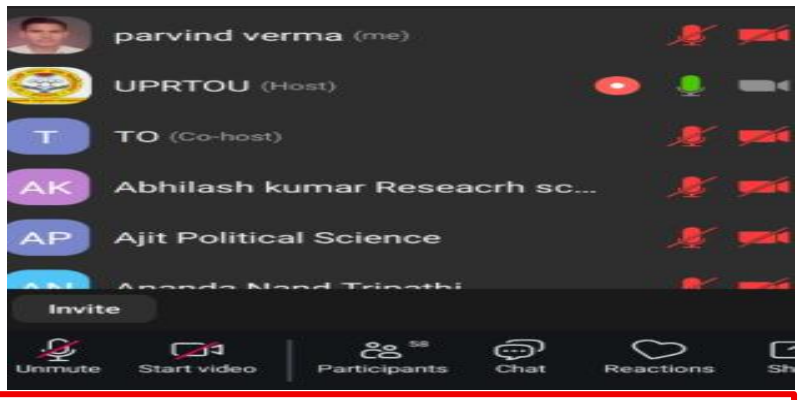

श्री सुरेश चन्द्र शुक्ला ने योग के वैश्विक परिदृश को रेखांकित किया साथ ही नार्वे मे शुल्क आधारित योग प्रशिक्षण केन्द्र एवं सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये निशुल्क योग प्रशिक्षण केन्द्रों की चर्चा की। प्रो0 शुक्ला का कहना था कि योग किसी न किसी रूप में नार्वे में सन 1980 से है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूरे विश्व में योग के प्रचार–प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

डॉ0 भदन्त राहुल बोधि ने योग एवं बौद्व धर्म के दार्शनिक पक्ष को एक–दूसरे से जोड़ते हुए 'विपासना' पद्वति की विस्तार से चर्चा की और बताया कि विपासना मानव जीवन की सभी समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अपने सम्बोधन में डॉ0 भदन्त ने जोर देते हुए कहा कि सभी वैश्विक युद्वों और राष्ट्रों के मध्य तनाव को कम करने में योग का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है तथा मानव जीवन को समस्या रहित बनाने में योग, प्राणायाम, एवं साधना महत्वपूर्ण स्थान है।

प्रोफेसर विजय जयसवाल का कहना था कि योग केवल शारीरिक व्यायाम ही नहीं है बल्कि इसके द्वारा मानसिक शान्ति भी प्राप्त की जाती है जो किसी भी मनुष्य के लिए आज के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है। योग मानव जीवन का आधार है। योग के द्वारा मानसिक तनाव को कम किया जा सकता है। इन्होंने विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम की अवस्थओं की विस्तार से चर्चा की।

डॉ0 मनोज कुमार सिंह ने मूल्यवान सम्बोधन में यम, नियम, आसन, प्राणायाम, तथा समाधि की दोनों अवस्थाओं के सिद्वान्तों को रेखांकित किया। डॉ0 सिंह का कहना था कि जब तक क्रमवार यम, नियम, आसन, प्राणायाम का अनुभव में समावेश नहीं होगा तबतक कोई भी व्यक्ति समाधि की अवस्था तक नहीं पहुँच सकता है। योग ज्ञान एवं अनुभव का समावेश ही है। इनका कहना था कि योग साधना एवं योग दर्शन महर्षि पतन्जलि ने अपने योग सूत्र में बताया है, साथ ही महर्षि पतन्जलि के अनुसार अभ्यास से ही अनुभव की प्राप्ति की जा सकती है। योग सूत्र में बताया है कि योग चित्त वृत्तियों का निषेध है। आपने सभी आसनों एवं प्राणायाम की उपयोगिता के विषय में विस्तार से बताया है।

प्रोफेसर पी0के0 साहू द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी का जिक्र करते हुये बताया कि योग के विभिन्न आयाम व्यक्तित्व के विकास में सहायक होते है। अपने सम्बोधन में उन्होंने अरविन्दो दर्शन के अन्तर्गत शारीरिक अवस्था, मानसिक अवस्था एवं भौतिक अवस्था के साथ–साथ पंचकोशी आयामों के विषय में चर्चा की। अपने सम्बोधन को आगे बढाते हुए प्रोफेसर साहू का कहना था कि हम शारीरिक रूप में स्वस्थ्य रहेंगे तो मानसिक रूप से भी स्वस्थ्य रहेगे तभी हम दैनिक जीवन को सुचारू रूप से चला पायेगें। योग सिर्फ एक व्यायाम के रूप मे न होकर व्यक्तित्व के सभी पक्षों के लिए होना चाहिए। योग को औपचारिक शिक्षा के साथ–साथ दैनिक जीवन में अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। अपने दैनिक जीवन में सहज ही योग का समावेश किया जाना चाहिए। इसके साथ ही योग में ध्यान भी आवश्यक है। आसन एवं प्राणायाम का नित्य प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए। ध्यान के महत्व को बताते हुए इसकी उपयोगिता को भी बताया। शान्तिपूर्ण जीवन जीने के लिए योग ही एकमात्र उपाय है। योग के ही माध्ययम से आन्तरिक एवं वाह्य स्वास्थ्य को शान्तिपूर्ण जीवन को प्राप्त किया जा सकता है।

योग शान्ति का मार्ग है : प्रोफेसर सत्यकाम

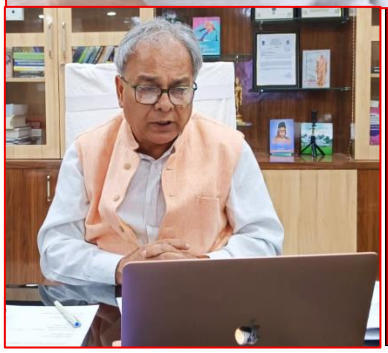

माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर सत्यकाम ने अपने उद्‌बोधन में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को शुभकामना प्रेषित करते हुए बताया कि योग शान्ति का मार्ग है। अंहिसक विश्व की कामना प्रेषित करते हुए माननीय कुलपति ने वैश्विक शान्ति की अपील की। वर्तमान परिवेश में गॉधी के अहिंसक सिद्वान्तों एवं महात्मा बुद्व उपदेशों तथा दिखाये मार्ग को अपनाने की बात कही।

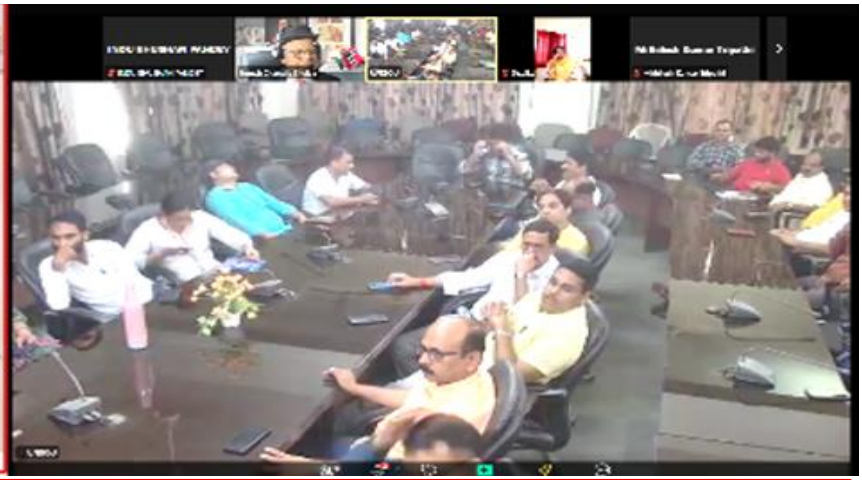

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो0 छत्रसाल सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में मानव जीवन में योग की उपयोगिता विषय पर भाषण तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से एवं विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियाएं संचालित की जा रही हैं । इसी क्रम में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 19 जून, 2025 को 'मानव जीवन में योग की उपयोगिता' शीर्षक के अंतर्गत निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के तिलक सभागार में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 9 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के दौरान संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, आयोजन सचिव डॉ. अतुल कुमार मिश्रा ,डॉ सत्येंद्र कुमार ,कार्यक्रम सदस्यो में राजेश कुमार गौतम, डॉ.दयानंद उपाध्याय ,डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, डॉ. संतोष कुमार भारती, डॉ.मुकेश कुमार मौर्य, डॉ सफीना शामवी, डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा, डॉ. सुमन सिंह एवं निर्णायक मंडल में डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. अब्दुल रहमान, डॉ.शिवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर आचार्यगण और शोध छात्र उपस्थित रहे है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अतुल कुमार मिश्र

भाषण प्रतियोगिता

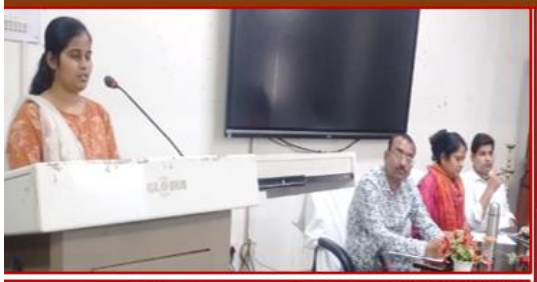

निबंध प्रतियोगिता

मुक्त विश्वविद्यालय में "सामूहिक सूर्य नमस्कार : ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभव"

माननीया कुलाधिपति श्री आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा से एवं मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियायें संचालित की जा रहीं है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, की मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 19 जून 2025 को अपराह्न 4:00 बजे से 5:00 तक "सामूहिक सूर्य नमस्कार : ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभव" विषयान्तर्गत योग कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में किया गया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गतयोग के विभिन्न मुद्राओं पर योगाभ्यास किया गया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ्य बनाता है अपितु हमारे मस्तिष्क को भी एकाग्र कर नई ऊर्जा से भर देता है। योग वस्तुतः शरीर और मन को एक करने का सशक्त माध्यम है। योग विभिन्न विचारधाराओं के विभिन्न व्यक्तियों को साथ लाने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को आह्वाहन करते हुए कहा कि सभी को प्रतिदिन अपने दैनिक व्यस्तताओं में से कुछ समय योग हेतु अवश्य निकालना चाहिए इससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगें। और अपने कार्यों का और भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से सम्पादित करने में सहायता मिलेगी।

हम और आप मिलकर करेंगे अब सिटी के विकास की बात

कई विभागों के बड़े अधिकारी कॉन्क्लेव व पैनल डिस्कशन में लेंगे हिस्सा

PRAYAGRAJ my PRIDE

Gold Sponsor SENCO

दैनिक जागरण आईनेक्स्ट कर रहा है 'माई प्रयागराज माई प्राइड' कान्क्लेव एंड अवार्ड फंक्शन का आयोजन

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (15 June): संगम नगरी प्रयागराज के विकास की बात हो तो जिम्मेदार खुद आगे आ जाते हैं. उन्हें पता है कि कैसे इस शहर के विकास की इबारत लिखी जानी है. फिर चाहे मंत्री हो या अधिकारी, सभी इस बात पर एक हो जाते हैं. ऐसे में शहर को लेकर उद्योगों को कैसे मिलेगी रफ्तार, शहर के विकास के विकास की क्या है डिमांड और शिक्षा की नगरी कहे जाने वाले प्रयागराज को कैसे एजुकेशन लेवल पर टॉप पर ले जाना है, अहम हो जाता है. इन सभी सवालों के विस्तार से जवाब पाने के लिए दैनिक जागरण आई नेक्स्ट की ओर से 18 जून को होटल कान्हा श्याम में माई प्रयागराज माई प्राइड कान्क्लेव एवं अवार्ड फंक्शन का आयोजन करने जा रहा है.

प्रोग्राम: माई प्रयागराज माई प्राइड

डेट - 18 जून 2025

टाइम - दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक

स्थान - होटल कान्हा श्याम, सिविल लाइंस

लैंप लाइटिंग के साथ होगी शुरुआत

इस कान्क्लेव और अवार्ड फंक्शन शुरुआत लैंप लाइटिंग के साथ होगी. उद्घाटन सत्र में लैंप लाइटिंग के दौरान चीफ गेस्ट मेयर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी, स्पेशल गेस्ट कमिश्नर विजय विश्वास पंत मौजूद रहेंगे, जबकि अवार्ड फंक्शन में चीफ गेस्ट पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार शहर की प्रमुख हस्तियों को सम्मानित करेंगे.

इन मुद्दे पर जिम्मेदारों से मंथन

1 अर्बन डेवलपमेंट- इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सपेंशन एंड डिमांड आफ द सिटी

2 हेल्थ एंड एजूकेशन- द पाथ अहेड

3 इंडस्ट्रियल ग्रोथ- लैंड रिफार्म्स, रिलैक्सेशन इन टैक्सेस एंड इनवेस्टमेंट अपार्चुनिटीज

शहर के विकास की इबारत लिखी जानी है. फिर चाहे मंत्री हो या अधिकारी. सभी इस बात पर एक हो जाते हैं.

Prayagraj ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है सूर्य नमस्कार : प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के मार

streetbuzz.co.in

ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है सूर्य नमस्कार : प्रोफेसर सत्यकाम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:570811

21:42

Dr Prabhat Mishra

ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है सूर्य नमस्कार : प्रो. सत्यकाम

प्रयागराज, 18 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के मार्गदर्शन में

vocaltv.in

https://vocaltv.in/uttar-pradesh/surya-namaskar-experience-of-energy-and-concentratphp/cid16920866.htm

21:46

Prayagraj मुविवि ने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बढ़ाये कदम

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर योग मैराथनः स्वस्थ

streetbuzz.co.in

मुविवि ने स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए बढ़ाये कदम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:570890

20:15

Prayagraj बुद्ध एवं गांधी के मार्ग से ही आएगी विश्व में शांति- कुलपति

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की शिक्षा विद्याशाखा एवं

streetbuzz.co.in

बुद्ध एवं गांधी के मार्ग से ही आएगी विश्व में शांति- कुलपति

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:570891

20:19

मुविवि ने स्वस्थ समाज के निर्माण में बढ़ाये कदम

--योग मैराथन को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने दिखाई हरी झंडी -- योग पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन प्रयागराज,

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/6/19/uprtou-steps-towards-creation-of-a-healthy-society.php

07:46

योग दिवस के पूर्व मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली साइकिल यात्रा

साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर कर रवाना करते हुए विश्वविद्यालय के मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग के अनुपालन में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (गंगा परिसर) में योग से स्वास्थ्य की प्रेरणा हेतु साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। साइकिल यात्रा को प्रातः 8:00 बजे विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन साइकिल चलाने से रक्तसंचार दुरुस्त रहता है। साइकिल यात्रा गंगा परिसर से प्रारंभ हुई। साइकिल यात्रा योग का संदेश देते हुए शांतिपुरम के विभिन्न मार्गो से होती हुई विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में समाप्त हुई।

साइकिल यात्रा निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

साइकिल यात्रा निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुविवि में पेड़ों की उपयोगिता पर ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार दिनांक 20 जून, 2025 को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर प्रकृति का महत्व : एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की थीम पेड़ों की उपयोगिता रही। कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा ने विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए पेड़ लगाना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रकृति मानवता के लिए अत्यन्त महत्व रखती है। यह एक अनमोल वरदान है, जो हमारे जीवन को समृद्ध बनाती है। प्रकृति की रक्षा करना ही आने वाले पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि छायादार वृक्षों को अधिक से अधिक लगाया जाना चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर जय प्रकाश यादव, विज्ञान विद्याशाखा ने स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक वातावरण का होना जरूरी है। उन्होंने चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से अधिक से अधिक ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाले पौधों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2025 को विश्वविद्यालय के त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र में योगाभ्यास एवं विश्व कीर्तिमान स्थापित किए जाने हेतु सूर्य नमस्कार का आयोजन सुनिश्चित किया गया है ।

प्रदर्शनी का अवलोन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी

"प्रकृति का महत्व : एक ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी" विषयक पेड़ों की उपयोगिता पर प्रदर्शनी

प्रदर्शनी का अवलोन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी व अन्य

मुक्त विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के लिए हुआ योगाभ्यास

माननीया कुलाधिपति श्री आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा से एवं मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम जी के मार्गदर्शन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व प्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्न क्रियायें संचालित की जा रहीं है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश शासन के अनुपालन में सरस्वती परिसर स्थित योग वाटिका में महिला सशक्तिकरण के लिए दिनांक 20 जून, 2025 को योग का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला शिक्षकों एवं कर्मचारियों तथा छात्राओं ने प्रतिभाग किया। योग शिक्षक अमित सिंह तथा निकेत सिंह ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गतयोग के विभिन्न मुद्राओं पर योगाभ्यास किया गया। जिससे उनका तनाव कम हुआ। योग विशेषज्ञ श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह ने लोगों को समूह में योग का अभ्यास कराया। योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया। योग ने लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और सामाजिक संबंध बनाने में मदद की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह

मुक्त चिन्तन

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मा. कुलपति आचार्य सत्यकाम ने कहा कि योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ्य बनाता है अपितु हमारे मस्तिष्क को भी एकाग्र कर नई ऊर्जा से भर देता है। योग वस्तुतः शरीर और मन को एक करने का सशक्त माध्यम है। योग विभिन्न विचारधाराओं के विभिन्न व्यक्तियों को साथ लाने का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को आह्वाहन करते हुए कहा कि सभी को प्रतिदिन अपने दैनिक व्यस्तताओं में से कुछ समय योग हेतु अवश्य निकालना चाहिए इससे वे शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगें। और अपने कार्यों का और भी गुणवत्तापूर्ण तरीके से सम्पादित करने में सहायता मिलेगी।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (सिवि.) श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (संवि.) श्री अमित सिंह एवं श्री निकेत सिंह

The Pioneer

Paper with passion since 1865

UPRTOU organises yoga marathon

PIONEER NEWS SERVICE
Prayagraj

The Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) on Thursday organised a yoga marathon titled 'Steps towards Healthy Society.' The event was held under the guidance of the Governor's Secretariat and aimed to promote awareness about the benefits of yoga, foster a sense of community and encourage regular yoga practice. Vice-Chancellor Professor Satyakam flagged off the marathon from the Ganga Campus, which then proceeded through various routes before concluding at the Yamuna campus.

The event saw active participation from teachers, officers, employees, and students of the university.

The marathon included Surya Namaskar, Pranayama and meditation, highlighting the importance of these practices for physical and mental well-being.

Dr Gyan Prakash Yadav organised the programme.

In conjunction with the yoga marathon, the UPRTOU hosted an essay and speech competition on the topic "Usefulness of Yoga in Human Life" at the Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium. UPRTOU's initiative to promote yoga aligns with its mission to provide holistic education and foster a healthy lifestyle among its students and staff. The university offers various programmes, including a Master of Arts in yoga, demonstrating its commitment to yoga and wellnes.

Prayagraj योग दिवस के पूर्व मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली साइकिल यात्रा

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

streetbuzz.co.in

योग दिवस के पूर्व मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली साइकिल यात्रा

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:570968

22:12

Dr Prabhat Mishra

Forwarded

Prayagraj मुविवि में पेड़ों की उपयोगिता पर ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर प्रकृति का महत्वः एक

streetbuzz.co.in

मुविवि में पेड़ों की उपयोगिता पर ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन

सूर्य नमस्कार का विश्व कीर्तिमान के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने एक साथ किया योग

"एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" थीम पर योग अभ्यास, प्रधानमंत्री के संदेश का प्रसारण और सूर्य नमस्कार द्वारा विश्व कीर्तिमान में सहभागिता

21 जून, 2025 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" को केंद्र में रखते हुए यह आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में त्रिवेणी सभागार, यमुना परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने की।

योगाभ्यास कराते हुए
सहायक आचार्य (डॉ.) श्री निकेत सिंह

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के निर्देशन में एक विशेष पहल के अंतर्गत विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के उद्देश्य से सामूहिक सूर्य नमस्कार योगाभ्यास में विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर भागीदारी की।

जिसकी रिपोर्ट राज्यपाल सचिवालय को प्रेषित की जाएगी। योग प्रोटोकॉल के अभ्यास के उपरांत विश्वविद्यालय में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के योग दिवस पर विशाखापट्टनम से दिए गए संबोधन को ऑनलाइन देखा और सुना गया ।

योग कार्यक्रम का आरंभ प्रातः 6:30 बजे हुआ, जिसमें सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया। इस योग सत्र का संचालन योग शिक्षक अमित सिंह एवं निकेत सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान अभ्यास की विधियों को सरल भाषा में समझाते हुए अभ्यास करवाया।

सभी को योगाभ्यास कराते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

इस आयोजन में 250 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। जिनमें विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारीगण तथा उनके परिवारजन सम्मिलित थे। सभी ने मिलकर योग अभ्यास के साथ ही आध्यात्मिक, मानसिक व शारीरिक लाभों को आत्मसात किया। प्रारंभ में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा की प्रभारी प्रो. मीरा पाल ने कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम का स्वागत किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने आभार व्यक्त किया।

सभी को योगाभ्यास
कराते हुए
असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह
एवं
असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

सभी को योगाभ्यास कराते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

योग दिवस पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह भव्य आयोजन न केवल योग के महत्व को पुनः स्थापित करने में सफल रहा, बल्कि एक वैश्विक उद्देश्य के साथ सामूहिक सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश का प्रसारण

योग प्रोटोकॉल के अभ्यास के उपरांत, प्रतिभागियों ने विशाखापट्टनम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के योग दिवस पर दिए गए संबोधन को ऑनलाइन देखा और सुना गया । माननीय प्रधानमंत्री जी ने योग को विश्व शांति, स्वास्थ्य और समरसता का माध्यम बताते हुए इसे जीवनशैली का अंग बनाने का संदेश दिया। माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस अवसर पर कहा कि योग सीमाओं, उम्र या पृष्ठभूमि से परे होकर दुनिया को जोड़ने का संदेश देता है। उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, तो 175 देशों ने इसका समर्थन किया था। आज योग करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने इसे मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत बताया और आंतरिक शांति को वैश्विक नीति बनाने का आह्वान किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के योग दिवस पर दिए गए संबोधन को सुनते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

सभी को योगाभ्यास कराते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

सभी को योगाभ्यास कराते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

सूर्य नमस्कार

विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के निर्देशन में आयोजित एक विशेष पहल के अंतर्गत, सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में विश्वविद्यालय ने भी भागीदारी की। यह आयोजन विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया।

सभी को योगाभ्यास कराते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह एवं असिस्टेंट प्रोफेसर निकेत सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास – प्रोफेसर सत्यकाम

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो हमें तन, मन और आत्मा की शुद्धि की ओर ले जाती है। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य केवल एक विषय नहीं बल्कि एक वैश्विक सोच है। जिसे हम योग के माध्यम से साकार कर सकते हैं। प्रोफेसर सत्यकाम ने घोषणा की की मुक्त विश्वविद्यालय में 1 घंटे का योगाभ्यास सत्र प्रतिदिन चलता रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को योगाभ्यास भी कराया।

मुक्त विश्वविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के लिए हुआ योगाभ्यास

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार के साथ ग्रप फोटोग्राफी कराती हुई विश्वविद्यालय की महिला शिक्षिकायें

मुक्त विश्वविद्यालय में मानव जीवन में योग की उपयोगिता विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं पुरस्कुत किया गया

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 अतुल मिश्रा

योग दिवस समारोह में मानव जीवन में योग की उपयोगिता विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम विशाल भारती, द्वितीय महिमा शुक्ला एवं तृतीय रमन वर्मा एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम रागिनी, द्वितीय इंद्रभान एवं तृतीय विशाल भारती को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र देते हुए माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी

योग दिवस के अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक द्वारा रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया

आज दिनॉक 21 जून, 2025 को विश्वविद्यालय की तरफ से रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का सामान्य योग प्रोटोकॉल एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास मुविवि के योग शिक्षक अनुराग शुक्ला ने कराया ।

आज दिनॉक 21 जून, 2025 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों एवं उनके अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय केन्द्र पर शिक्षार्थियों एव ंकर्मचारियों ने योगाभ्यास किया।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2025 को क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर स्टाफ और छात्रों के साथ योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय योग परिषद के तत्वाधान पर संगोष्ठी का आयोजन किया । विषय : एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग था। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सरस्वती वंदना का सामूहिक गान किया। विषय पर योग प्रशिक्षक सुनीता मंघाणी एवं संतोष सिंह ने अपने विचार रखे। सभी योग प्रशिक्षकों के अपने विचारों से लाभान्वित किया। योग को नियमित अपनाए, अनुशासित जीवन शैली, पृथ्वी को स्वस्थ्य रखे, पेड़ लगाते रहे, पानी को बचाने की पूरी कोशिश करे। पृथ्वी स्वस्थ है हम सब स्वस्थ रहेंगे। क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ से डॉ अलका वर्मा, संजय कुमार, अरुण कुमार , आकांक्षा, सुनील, सोनू सभी उपस्थित थे। संगोष्ठी का समापन सर्वे भवन्तु सुखिन्ह ....से किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

आज दिनांक 21 जून 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा/गाजियाबाद के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रो–पर योग प्रशिक्षण किया गया जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी, छात्र/छात्रा एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकों द्वारा लगभग 38 लोगो ने प्रतिभाग लिया।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

आज दिनांक 21 जून 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रो–पर योग प्रशिक्षण किया गया जिसमें क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी, छात्र/छात्रा एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकों द्वारा 102 लोगो ने प्रतिभाग लिया।

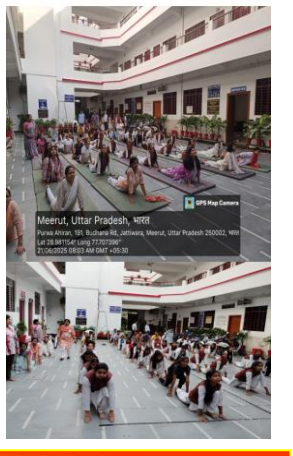

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योगाभ्यास करते कुलपति प्रो . सत्यकाम, कुलसचिव व अन्य शिक्षकगण • सौ. मुवि

Dr Prabhat Mishra

Forwarded

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास – प्रोफेसर सत्यकाम – Adarshsaharatimes

adarshsaharatimes.in

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास – प्रोफेसर सत्यकाम https://adarshsaharatimes.in/?p=7553

आदर्श सहारा टाइम्स
रिपोर्ट उमेश चन्द्र सोनी

13:11

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास -प्रोफेसर सत्यकाम...

KHABREIN UTTAR PRADESH KI / खबरें उत्तर प्रदेश की / KHABREIN UTTAR PRADESH / khabrein uttar pradesh

khabreinuttarpradeshki.blogspot.com

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास -प्रोफेसर सत्यकाम...

सूर्य नमस्कार का विश्व कीर्तिमान के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने एक साथ किया योग...

💥💥💥💥💥💥💥💥💥
रिपोर्ट- ईश्वर दीन साहू (प्रयागराज)
— — — — — — — —

पूरी खबर देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें पेज को लाइक और फॉलो करें
👆👆👆👆👆👆👆👆👆
⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️
http://khabreinuttarpradeshki.blogspot.com/2025/06/blog-post_45.html

13:11

पंचतत्व ने बनाई मुक्त विश्वविद्यालय में सिंदूर वाटिका

कुलपति ने वाटर वूमेन के साथ की वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी एवं पंचतत्व संस्था की सस्थापक वाटर वूमेन शिप्रा पाठक जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में रविवार को ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित पंचतत्व सिंदूर यात्रा के पहुंचने पर सिंदूर वाटिका बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया। पंचतत्व संस्था की सस्थापक वाटर वूमेन शिप्रा पाठक ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण किया।

इस अवसर पर उन्होंने सिंदूर, चंदन, तेजपत्ता, इलायची, पाकड़, नीम और गंधराज के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में वाटर वूमेन शिप्रा पाठक ने बताया कि 5 जून को दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिह के बंगले पर सिंदूर का पौधा लगाकर पांच राज्यों के 7000 किलोमीटर की वाहन यात्रा प्रारंभ की गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान गुजरात के बाद यात्रा पुनः वाराणसी होते हुए प्रयाग पहुंची है। इस यात्रा में 38000 लोग जुड़े और ढाई लाख पौधों को लगाने का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही सिंदूर वटिका के लिए 11 लाख सिंदूर के बीजों का संकल्प लिया गया। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान 21 कुलपतियों ने अपने कैंपस में पौधारोपण किया। उन्होंने प्रोफेसर सत्यकाम के साथ आज यमुना परिसर में वृक्षारोपण कर सिंदूर वाटिका का शुभारंभ किया। सुश्री पाठक ने बताया कि विगत 10 वर्षों में पंचतत्व संस्था द्वारा 25 लाख पौधे रोपित किया जा चुके हैं। इसके साथ ही महाकुंभ में 25 लाख पौधों का वितरण थाली एवं कपड़े के थैलों के साथ किया जा चुका है। मूलत बदायूं उत्तर प्रदेश की रहने वाली शिप्रा पाठक ने समाज सेवा का पाठ अपनी दादी से सीखा। उनकी दादी स्वर्गीय सतोष कुमारी पाठक 20 वर्षों तक विधायक रहीं। अभी तक 13000 किलोमीटर की पदयात्रा कर चुकी शिप्रा पाठक ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, नदी संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत, भारतीय संस्कृति का विस्तार, तालाबों का पुनरुद्धार तथा पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करना है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज से आगे बढ़ते हुए यात्रा लखनऊ में गोमती के किनारे विश्राम लेगी।

वृक्षारोपण करते हुए
माननीय कुलपति
प्रोफेसर सत्यकाम जी
एवं पंचतत्व संस्था की सस्थापक
वाटर वूमेन
शिप्रा पाठक जी
तथा साथ में
कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

पर्यावरण को संरक्षित करना हम सब की जिम्मेदारी है : प्रोफेसर सत्यकाम

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने शिप्रा पाठक का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को आगे बढ़ाना बहुत ही उत्कृष्ट कार्य है। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार भी विभिन्न अभियान चला रही हैं। जिसके अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम का भी पौधारोपण कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर शिव शंकर सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, प्रोफेसर ए के मलिक, डॉ अभिषेक सिंह, उमेश चन्द्र पाण्डेय, डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय में बनाई सिंदूर वाटिका

कुलपति ने वाटर वूमेन के साथ किया वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत प्रयागराज, 22 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/6/22/Panchatatva-has-created-Sindoor-Vatika-in-uprtou.php

10:47

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा योग साहित्य : ज्ञान का अक्षय भंडार के अंतर्गत योग : ज्ञान एवं विज्ञान विषय पर पुस्तक प्रकाशित

योग : ज्ञान एवं विज्ञान विषय पर प्रकाशित पुस्तक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को भेंट करते हुए लेखक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज, डॉ0 गौरव संकल्प, सहायक आचार्य, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं कौमुदी शुक्ला, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज।

योग साहित्य : ज्ञान का अक्षय भंडार के अंतर्गत विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति जी के निर्देश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा योग : ज्ञान एवं विज्ञान विषय पर प्रकाशित पुस्तक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी को भेंट करते हुए लेखक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, सह आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज, डॉ0 गौरव संकल्प, सहायक आचार्य, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं कौमुदी शुक्ला, सहायक आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति को 'अमृतकाल में भारत और मीडिया' पुस्तक भेंट

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी को 'अमृतकाल में भारत और मीडिया' पुस्तक भेंट करती हुई विश्वविद्यालय की असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ साधना श्रीवास्तव

अमृतकाल में भारत और मीडिया : परिवर्तन, चुनौतियाँ और संभावनाएँ

अमृतकाल भारत के लिए केवल एक कालखंड नहीं, बल्कि एक पुनर्रचना का संकल्प है– आत्मनिर्भरता, न्याय, समता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में एक संगठित यात्रा। इस निर्णायक काल में मीडिया की भूमिका अब महज़ सूचना देने वाली नहीं रही; वह अब विचार का वाहक, जनमत का निर्माता, और परिवर्तन का संवाहक बन चुका है। मीडिया समाज के चिंतन की दिशा तय करता है, लोकतंत्र की चेतना को स्वर देता है, और नई पीढ़ी की सोच में आत्मबल जगाता है।

परंतु इस युगांतकारी काल में मीडिया के सामने अनेक चुनौतियाँ भी हैं –डिजिटल विकेन्द्रीकरण, सूचना की विश्वसनीयता, कॉर्पोरेट दबाव, क्षेत्रीय असंतुलन, और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दे इसके स्वरूप और उत्तरदायित्व को जटिल बनाते हैं। इन्हीं के बीच छिपी हैं संभावनाएँ –जनसंचार को लोकतांत्रिक मूल्यों का संवाहक बनाने की, स्थानीय आवाज़ों को राष्ट्रीय विमर्श में स्थान दिलाने की, और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से जनसरोकारों को सशक्त करने की।

यह संकलन 'अमृतकाल में भारत और मीडिया' इन्हीं परिवर्तनशील प्रवृत्तियों, समकालीन चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं का समग्र विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक विमर्श है – उस मीडिया की ओर, जो भारत के अमृतकाल को अर्थ, दिशा और गरिमा देने की क्षमता रखता है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की असिस्टेन्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ साधना श्रीवास्तव कृत 'अमृतकाल में भारत के मीडिया परिवेश का यह ग्रंथ एक समसामयिक और विवेचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें न केवल मीडिया की भूमिका को परखा गया है, बल्कि इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभावों की भी गहराई से समीक्षा की गई है। यह पुस्तक विशेष रूप से शोधकर्ताओं, पत्रकारिता के विद्यार्थियों तथा जागरूक पाठकों के लिए एक अनिवार्य पठन के रूप में सामने आती है, जो मीडिया की वर्तमान दिशा और दशा को समझने की गंभीर अभिलाषा रखते हैं। '

परीक्षा समिति की 41वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 41वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 27 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

बैठक में विश्वविद्यालय के प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 विनोद कुमार गुप्ता, आचार्य, संस्कृत, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 श्रुति, प्रोफेसर सांख्यिकी, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, कर्नल विनय कुमार, परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एव विस्तारित गतिविधि केंद्र के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी ने महोगनी का पौधा लगा कर की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे की रक्षा जरूरी है, इसके लिए उन्होंने वहां उपस्थित 50 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक पौधे की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि वह प्रत्येक पौधे का अनुश्रवण करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चातुर्मास में वृक्षारोपण अभियान चलता रहेगा। महोगनी, गुलाचीन, किन्नू आदि पौधों को विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में रोपित किया जायेगा। इसके लिए उन्होंने कुल सचिव को तीनों परिसर में खाली पड़ी जगह पर वृक्षारोपण अभियान के लिए जगह चिन्हित करने का निर्देश दिया।

प्रारंभ में कुलपति का स्वागत कृषि विज्ञान विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र की प्रभारी प्रोफेसर श्रुति ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर श्रुति ने वृक्षारोपण अभियान की महत्ता बताई।

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने बताया कि यह वृक्षारोपण कार्यक्रम को आज से प्रारम्भ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय विद्याशाखाओं द्वारा गोद लिये गॉवों में भी वृक्षारोपण अभियान आयोजित करायेगा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0 श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने बताया कि वृक्षारोपण से जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है तथा प्रदूषण की रोकथाम में वृक्ष महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यह भी बताया कि पारिस्थितिकीय तंत्र को संतुलित बनाये रखने में वृक्ष अत्यन्त आवश्यक हैं।

आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सह आयोजन सचिव डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, समन्वयक डॉ. दीपा चौबे, डॉ0 एस0 के शर्मा, डॉ. अब्दुल हफीज, सिद्धार्थनगर विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के प्रो0 सत्यपाल तिवारी, प्रो0 छत्रसाल सिंह, प्रो0 श्रुति, डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. सतीश चन्द्र जैसल, डॉ. साधना श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे।

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2025 – 26 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा सोमवार दिनांक 30 जुलाई, 2025 को प्रदेश के 10 जिलों के 12 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने बताया कि बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा प्रवेश परीक्षा में 71.21 : अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बी एड प्रवेश परीक्षा में 3112 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 952 अनुपस्थित रहे। जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 1442 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 359 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा प्रातः 9 से 12 बजे तक आयोजित की गयी। प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में काफी उत्साह देखा गया। अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। प्रयागराज में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित केंद्रीय पुस्तकालय में तथा यमुना परिसर के त्रिवेणी समुदायिक केंद्र में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सरस्वती परिसर तथा यमुना परिसर में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क ने प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी प्राप्त की। प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

Prayagraj मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2025- 26 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश

streetbuzz.co.in

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:571670

20:45

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 71 प्रतिशत अभ्यर्थी हुए शामिल

प्रयागराज, 30 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2025-26 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/6/30/71-percent-candidates-participated-in-B-Ed-entranc.php

09:47

मुविवि UPRTOU की बी एड एवं बी एड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा 30 जून को। - At Samachar

त्रिभुवन नाथ शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, UPRTOU प्रयागराज की सत्र 2025- 26 की बी

atsamachar.in

मुविवि UPRTOU की बी एड एवं बी एड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा 30 जून को।

https://atsamachar.in/mukivi-uprtous-bed-and-b-ed-special-entrance-examination-on-30-june/

20:20

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ। - At Samachar

कुलपति ने यमुना परिसर में लगाये महोगनी के पौधे त्रिभुवन नाथ शर्मा की रिपोर्ट प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,

atsamachar.in

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ।

https://atsamachar.in/large-tree-plantation-campaign-started-in-free-university/

20:29

Prayagraj मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कृषि विद्या शाखा तथा महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केंद्र

streetbuzz.co.in

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:571471

20:29

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद लखनऊ व भारतीय योग परिपद के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 21 जून 2025, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, गोष्ठी का शीर्षक विपय–''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग'' विपय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती जी पर पुष्प एवं माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया । भारतीय योग परिपद की योग समन्वयक सुमिता मन्दानी ने विपय पर अपने विचार रखें। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद लखनऊ की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजलि सिन्हा ने मंच पर पधारे सभी अतिथियों का स्वागत एवं सतकार किया अतिथियों का स्वागत पुष्प देकर किया गया, इसी क्रम में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजलि सिन्हा योग को नियमित अपनाये जानें, अनुशासित जीवन शैली, पृथ्वी को स्वस्थ्य रखे , पेड़ लगाते रहे, पानी को बचाने की पूरी कोशिश किये जाने पर जोर दिया। संतोप सिंह ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग किये जाने को लेकर अपने विचार रखें। क्षेत्रीय केंद लखनऊ से डॉ अलका वर्मा, संजय कुमार, अरुण कुमार, आकांक्षा, सुनील, सोनू सभी उपस्थित थे। संगोष्ठी का समापन सर्वे भवन्तु सुखिन्द ....से किया गया।

😮

अमर उजाला

यात्रा के पहुंचने पर सिंदूर वाटिका बनाने का शुरू हुआ काम। स्रोत: स्वयं

मुक्त विश्वविद्यालय में सिंदूर वाटिका बनाने का काम शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित पंचतत्व सिंदूर यात्रा के पहुंचने पर सिंदूर वाटिका बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया। पंचतत्व संस्था की संस्थापक वाटर वूमेन शिप्रा पाठक ने कुलपति प्रो. सत्यकाम के साथ विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में पौधरोपण किया। परिसर में सिंदूर, चंदन, तेजपत्ता, इलायची, पाकड़, नीम और गंधराज के पौधों का रोपण किया गया। शिप्रा पाठक ने बताया कि पांच जून को दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बंगले पर सिंदूर का पौधा लगाकर पांच राज्यों की 7000 किलोमीटर की वाहन यात्रा प्रारंभ की गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान गुजरात के बाद यात्रा पुनः वाराणसी होते हुए प्रयाग पहुंची है। इस यात्रा में 38,000 लोग जुड़े और ढाई लाख पौधों को लगाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान 21 कुलपतियों ने अपने कैंपस में पौधारोपण किया। ब्यूरो

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास -प्रोफेसर सत्यकाम...

KHABREIN UTTAR PRADESH KI / खबरें उत्तर प्रदेश की / KHABREIN UTTAR PRADESH / khabrein uttar pradesh

khabreinuttarpradeshki.blogspot.com

मुक्त विश्वविद्यालय में अब प्रतिदिन होगा योगाभ्यास -प्रोफेसर सत्यकाम...

सूर्य नमस्कार का विश्व कीर्तिमान के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने एक साथ किया योग...

💥💥💥💥💥💥💥💥💥

रिपोर्ट- ईश्वर दीन साहू (प्रयागराज)

— — — — — — — —

पूरी खबर देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें पेज को लाइक और फॉलो करें

👇👇👇👇👇👇👇👇

⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️⬇️

http://khabreinuttarpradeshki.blogspot.com/2025/06/blog-post_45.html

13:11